Himalaya Lal Kitab Report (Hindi)

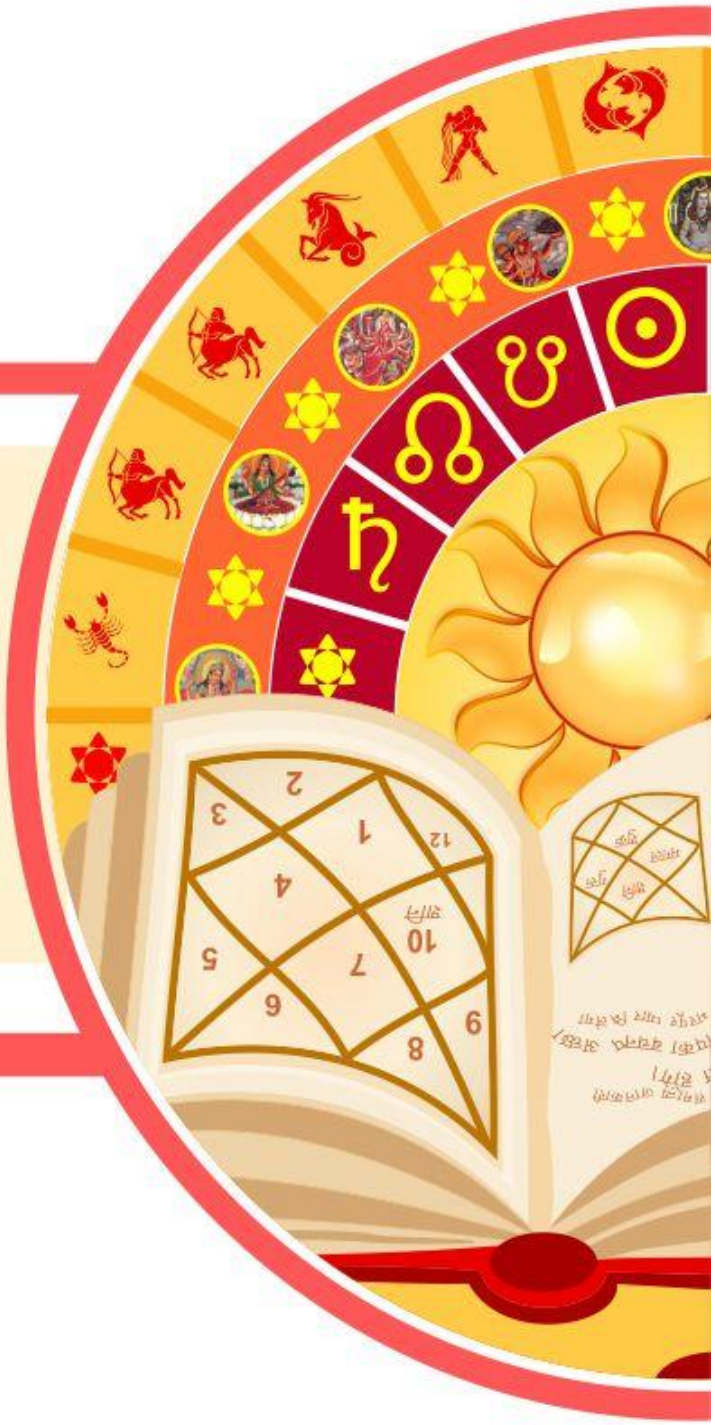

Name - Sample

Date - 18/01/1975 Time - 17:30:00

POB - Ballia (Uttar Pradesh) INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

Himalaya Vedic World

Phone +91-7465839601

लाल किताब में ग्रह

सूर्य	भाव न. 7, राशिफल, नीचस्थ, स्वयं का ऋण, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (गुरू), बिलमुकाबिल (गुरू)
चन्द्रमा	भाव न. 9, शुभ भाव में
मंगल	भाव न. 6, राशिफल, शत्रु के घर में, शुभ भाव में, साथी (सूर्य)
बुध	भाव न. 7, स्वभाव (मंगल), किस्मत का, पक्के घर का, कायम, मित्र के घर में, शुभ भाव में
गुरू	भाव न. 8, कायम, पितृ ऋण, मित्र के घर में, शुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा)
शुक्र	भाव न. 7, ग्रहफल, पक्के घर का, अपने घर का, स्त्री ऋण, भाग्योदय का, शुभ भाव में, साथी (शनि), बिलमुकाबिल (शनि)
शनि	भाव न. 12, बद स्वभाव, जन्मदिन का, शुभ भाव में, साथी (शुक्र)
राहु	भाव न. 5, जन्मसमय का, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
	भाव न. 11, कुदरती ऋण, शुभ भाव में

ग्रह स्थिति (लाल किताब)

लाल किताब टेवा

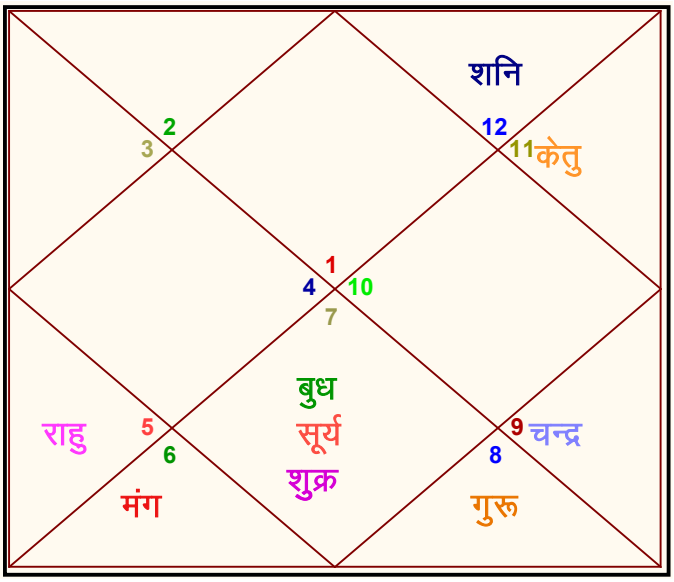

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

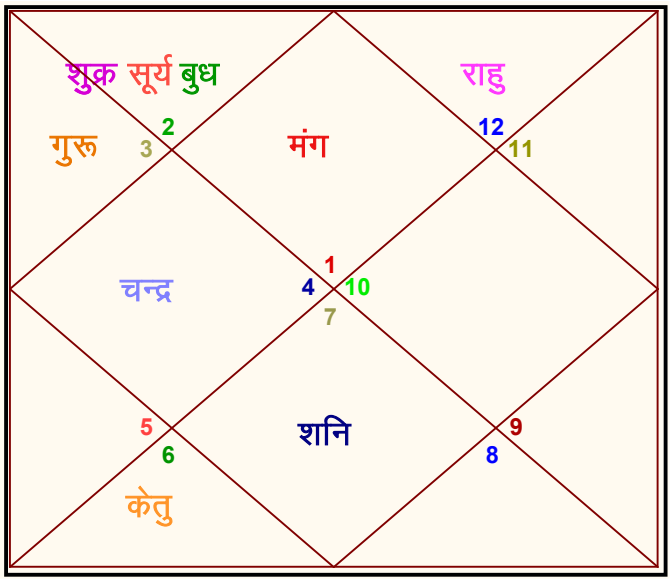

ग्रह योग

सूर्य + बुध	(युति), मंगल (नेक), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + गुरू	(साझी दिवार), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
सूर्य + शुक्र	(युति), गुरू, संतान की पैदाईश
मंगल + शनि	(दृष्टि–25), राहु (उच्च), झगड़े/फसाद
बुध + शुक्र	(युति), सूर्य, स्वास्थ्य/सेहत

ग्रह दृष्टि (लाल किताब)

ग्रह	मुख्य	मददगार	टकराव	बुनियाद	दुश्मन	साझी दिवार	अचानक चोट
सूर्य		केतु				गुरू	चन्द्र, राहु
चन्द्रमा	राहु(100)			राहु	मंग.		सूर्य, बुध, शुक्र, केतु
मंगल	शनि(25)					सूर्य, बुध, शुक्र	गुरू
बुध (बद)		केतु				गुरू	चन्द्र, राहु
गुरू (बद)		शनि			राहु	चन्द्र	मंग.
शुक्र (बद)		केतु				गुरू	चन्द्र, राहु
शनि (बद)			सूर्य, बुध, शुक्र	गुरू	चन्द्र		
राहु	चन्द्र(50)	चन्द्र	शनि			मंग.	सूर्य, बुध, शुक्र

कुण्डली में प्राप्त दोषों का विवेचन और उपाय

लाल किताब ज्योतिष में, जीवन की चुनौतियों से निपटने और सफलता पाने के लिए कुंडली में स्थित महत्वपूर्ण दोषों या विकारों की पहचान करना और उनका समाधान करना आवश्यक है। ये दोष, जिनमें पितृ ऋण, अंधा टेवा, आधा अंधा टेवा, मांगलिक दोष और काल सर्प दोष शामिल हैं, किसी के जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे स्वास्थ्य, वित्त, रिश्ते और सामान्य भलाई पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। इन दोषों के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए उनके उपचार की तलाश करना महत्वपूर्ण है। उपचार विशिष्ट अनुष्ठानों, प्रार्थना करने, दान करने, रत्न पहनने से लेकर जीवनशैली में बदलाव लाने तक हो सकते हैं। ये उपचारात्मक उपाय ग्रहों के प्रभाव को संतुलित करने, बाधाओं को दूर करने और अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध जीवन का मार्ग बनाने में मदद कर सकते हैं।

कुण्डली में लागू होने वाले पितृ ऋण

यदि पूर्वजों में से किसी ने कोई बुरा या पाप कर्म किया है, तो यह पितृ ऋण में बदल जाता है और इसे परिवार के किसी सदस्य द्वारा चुकाया जाना चाहिए। इसीलिए उन्हें कष्ट होता है। कभीकभी, हम अपने बड़ों के पापों से अविश्वसनीय और आश्चर्यजनक तरीके से रहस्यमय तरीके से प्रभावित होते हैं। निहितार्थ यह है कि अपराध कोई और करता है, और जुर्माना कोई और व्यक्ति भरता है। पैतृक ऋण के मामले में अक्सर सज़ा किसी करीबी रिश्तेदार को भुगतनी पड़ती है। पितृ ऋण का विचार जन्म कुंडली से किया जाता है। एक बार ऋण की पहचान हो जाने पर उसका निवारण भी किसी रक्त संबंधी को ही करना पड़ता है। पैतृक ऋण का भुगतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सकता है। रक्त संबंधियों में बहनें, बेटियाँ और उनके बच्चे जैसे पोते, भतीजे, भतीजी आदि शामिल हैं। लाल किताब के अनुसार मनुष्य नौ ग्रहों के आधार पर नौ प्रकार के ऋण लेता है। इनमें आत्मऋण, मातृऋण, पारिवारिक ऋण, बहन/बेटी का ऋण, पितृऋण, स्त्रीऋण, निर्दयताऋण, जीवन भर का ऋण और दैवीय ऋण शामिल हैं।

पितृ ऋण

कुण्डली में राहु दूसरे, पाँचवें, नवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में पितृ ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

पितृ ऋण के कारण –

1– यदि कुल पुरोहित बदलने की आवश्यकता होती है।
2– यदि घर के आस–पास का कोई धार्मिक स्थल नष्ट कर दिया गया हो।
3– घर के आस–पास में कोई पीपल या बरगद का पेड़ नष्ट कर दिया गया हो।

पितृ ऋण के लक्षण –

लाल किताब के अनुसार, आपके बाल में जब सफेदी आने लगती है, तो घर की धन–संपत्ति अपने आप नष्ट होनी शुरू हो जाती है तथा सिर पर चोटी के स्थान से बाल गायब हो जाते हैं और गले में माला या कंठी पहनना शुरू कर सकते हैं। आपके बारे में गलत अफवाहें उड़नी शुरू हो जाती है। आपको बिना गलती के ही जेल जाना पड़ सकता है।

पितृ ऋण के उपाय –

1– आप अपने परिवार के सारे सदस्यों से बराबर–बराबर पैसा इकट्ठा करें और किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
2– अपने घर के आस–पास के किसी धार्मिक स्थल पर जाकर वहां की साफ–सफाई

करें।
3– घर के आस–पास कोई पीपल या बरगद का पेड़ हो तो उसकी सेवा तथा देख–भाल करें और उसमें पानी डालें।

स्त्री ऋण

कुण्डली में सुर्य दूसरे या सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में स्त्री ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

स्त्री ऋण के कारण –

1– आपके घर में किसी गर्भवती स्त्री के साथ गर्भावस्था के दौरान बुरा व्यवहार किया गया हो अथवा आपके पारिवारिक सदस्य आपस में हमेशा लड़ाई–झगड़ा करते रहे हों।
2– आपके घर में कोई भी व्यक्ति जानवरों पर दया ना करता हो, विशेषतः गाय पर या किसी खुशी के मौके पर दुखद घटना घट जाये।

स्त्री ऋण के लक्षण –

आपके परिवार में किसी खुशी के मौके पर किसी की मृत्यु हो जाती है, तो यह शुक्र खराब होने की सबसे बड़ी निशानी है।

स्त्री ऋण के उपाय –

1– आपको अपने परिवार के सारे सदस्यों से बारबर मात्रा में धन लेकर उसका हरा चारा खरीदकर कम से कम 100 गायों को खिलाना चाहिए।
2– आपको अपना पहनावा बढ़िया रखना चाहिए, फटे–पुराने कपड़े न पहनें।

कुदरती ऋण

कुण्डली में मंगल छठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यह कुण्डली में कुदरती ऋण को दर्शाता है। आपको लाल किताब में बताये हुए उपायों का पालन करना चाहिए।

कुदरती ऋण के कारण –

1– बुरी नियत से कुत्ते की जान ली गई हो या साधु–फकीरों को बेमतलब परेशान किया गया हो। चाल–चलन ठीक न हो।
2– दूसरे की औलाद की हत्या चोरी–छिपे करवाई गई हो। कुत्तों को गोली मारा गया हो। रिश्तेदारों को धोखा दिया गया हो।

कुदरती ऋण के लक्षण –

केतु के अशुभ होने की वजह से पुत्र पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। पुत्र पैदा होने में कठिनाई हो या पुत्र पैदा हो तो वह अपाहिज हो सकता है।

कुदरती ऋण के उपाय –

1– अपने परिवार के सारे सदस्यों के बराबर मात्रा में धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही बार में खाना दें।
2– विधवा स्त्रियों का अशीर्वाद लें और उनकी सेवा करें।

कुण्डली में ग्रहों का प्रभाव और उपाय

हमारे सौर मंडल में खगोलीय पिंड, विशेष रूप से ग्रह, लाल किताब के अनुसार आपके जीवन को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो हिंदू ज्योतिष और हस्तरेखा विज्ञान पर उर्दू भाषा की पांच पुस्तकों का एक क्रम है। ये ब्रह्मांडीय संस्थाएं आपके व्यक्तित्व, कार्यों, सफलताओं और चुनौतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं, जो आपके जीवन पथ को गहराई से आकार देती हैं। लाल किताब इन ग्रहों के प्रभावों के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करती है और किसी भी प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए व्यावहारिक उपाय प्रदान करती है। लाल किताब में दिए गए नुस्खे पालन करने में सरल हैं और इसमें जटिल अनुष्ठान शामिल नहीं हैं, जिससे वे सभी के लिए सुलभ हो जाते हैं। इन दिशानिर्देशों का पालन करके, आप ब्रह्मांड के साथ सामंजस्य स्थापित करने, अपने जीवन में संतुलन हासिल करने और इस प्रक्रिया में अपनी क्षमता की अनुभूति करने का प्रयास कर सकते हैं।

कुण्डली में सूर्य देव का प्रभाव और उपाय

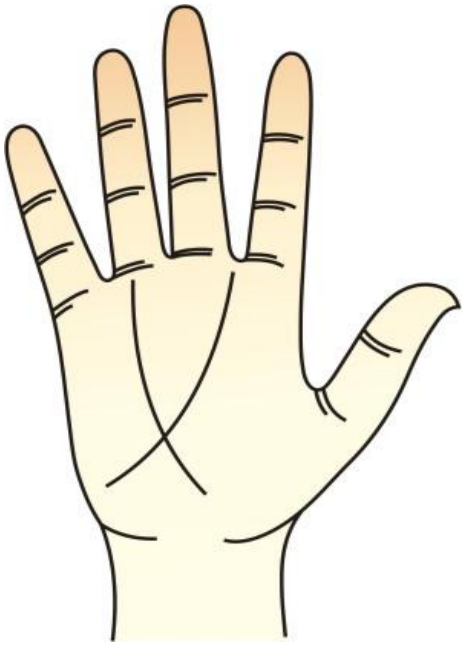

निम्न समयावधि में आपको सूर्य का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1990 से 17/01/1992 तक, 18/01/2025 से 17/01/2027 तक, 18/01/2060 से 17/01/2062 तक)

आपकी कुण्डली में सूर्य सातवें भाव में स्थित है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप क्रोधी होंगे, और यह आपके लिये लाभदायक होगा। आप बहुत उत्साही और ऊर्जावान होंगे। अपने परिवार वालों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। आपके जन्म के पहले आपके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब रही होगी, लेकिन आपके जन्म के बाद ठीक हो गई होगी। सौतेली माता या कोई अन्य महिला आपकी मदद करेगी। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ और चुस्त होंगे। आपकी संतान धनी होगी। आपमें एक अलग तरह का मर्दाना व्यक्तित्व होगा। आप बिना कोई प्रयास किये अपने पूर्वजों का धन प्राप्त करेंगे। अपने ससुराल वालों से आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। आप धन की भारी बचत करेंगे। आपके विवाह के बाद आपका भाग्योदय होगा। विवाह के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आप दो बार विवाह कर सकते हैं। आपका दामाद एक धनी और सम्मानित परिवार से होगा। साझेदारी में आपको लाभ प्राप्त होंगे।

आपको धार्मिक कार्यों और ज्योतिष विद्या में रूचि हो सकती है। आपकी मृत्यु आपके घर में ही होगी। आपके बाल जितने भूरे होंगे, उतना ही आपको लाभ प्राप्त होगा। आपको सरकारी अधिकारियों या विभागों से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप एवं आपकी पत्नी दोनों ही सुन्दर होंगे। आप बुद्धिमान होंगे। लड़ाई–झगड़े के दौरान लोग समझौते के लिए आपको बुलायेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा होगी। आपको मीठी चीजें ज्यादा पसंद हो सकती हैं। आपका गृहस्थ जीवन सुखमय होगा।

आपको सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपने व्यवसाय को करते समय आप क्रोध न करें। नमक का सेवन कम करें। अपना चरित्र ठीक रखें। सरकारी पद पर हैं तो नर्म स्वभाव एवं नौकरी–व्यापार करते हैं तो गर्म स्वभाव न रखें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी सूर्य के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

मुंह में हरदम थुक आये। घर में अग्निकांड हों। अगर बचपन में पिता का साया सिर पर ना रहे। अगर हर कार्य में बुजदिली आडे आये। मुकदमों आदि पर ज्यादा खर्च होने लगे। शरीर के अंगो में हरकत करने या कराने की ताकत खत्म होने या कम होने लगे।

यदि आप अपने साझेदार से झगड़ा करेंगे, अपने ससुराल वालों के लिये समस्या पैदा करेंगे, झूठ में यकीन करेंगे, सरकारी कर सही रूप से अदा नहीं करेंगे तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में सूर्य के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका सूर्य किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके जीवनसाथी बीमार हो सकती हैं। आप अपने पुत्र या परिवार के किसी बच्चे के कारण समस्या का सामना कर सकते हैं, वह पागल हो सकता है।यदि आप धोखेबाजी के किसी कार्य में सम्मिलित होते हैं या कुछ चुराते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अधिक क्रोध, स्वार्थ या प्रशंसा आपकी बर्बादी का संकेत हो सकता है। आपको पैर से सम्बन्धित कोई समस्या हो सकती है। आपका अपने जीवनसाथी से झगड़ा या अलगाव हो सकता है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। आप अपने गृहस्थ जीवन से परेशान रहेंगे। आप परेशान होकर सन्यास भी ले सकते हैं। यदि आपकी शादी कम उम्र में हो जाती है तो 25 वर्ष की आयु तक आपको स्त्री सुख कम प्राप्त हो सकता है। आपकी पत्नी को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। कारोबार में आर्थिक हानि हो सकती है। आपके ससुराल की आर्थिक स्थिति बहुत बढ़िया नहीं हो सकती है। आप खुले दिल से खर्च करने वाले होंगे। चाहे दान करना हो या किसी की सहायता, आप जो भी करेंगे, खुले दिल से करेंगे।

आप बहुत गुस्सैल हो सकते हैं, जिसका असर आपके परिवार पर पड़ सकता है। आपको ज्यादा नमक खाने की आदत हो सकती है, जो कि आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। आप खुदगर्ज किस्म के व्यक्ति हो सकते हैं। आपको अपनी खुशामद पसंद होगी। यदि आपकी आर्थिक स्थिति खराब चल रही है या आपके पुत्र का स्वास्थ्य ठीक नहीं रह रहा है तो आपको तांबे के चौकोर टुकड़े जमीन में दबाना चाहिए, इससे आपको लाभ प्राप्त होगा। आपकी शादी में देरी हो सकती है। आपका अपनी पत्नी से तलाक हो सकता है या आप दूसरी शादी कर सकते हैं। आपके रोजगार में बार–बार नुकसान हो सकता है। आपके मान–सम्मान पर आंच आ सकती है। उपाय के तौर पर भूरी भैंस पालें। आप अपनी पत्नी के कहे अनुसार चलेंगे। आप किसी गुप्त रोग या तपेदिक आदि से पीड़ित हो सकते हैं, जिसकी वजह से आपका गृहस्थ सुख खत्म हो सकता है। आपकी पत्नी का स्वभाव मधुर नहीं हो सकता है।

आपको सूर्य के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

काम पर जाते समय चीनी खाकर और पानी पी कर जायें। रात में रोटी पकाने के बाद दूध का छींटा मार कर चूल्हा बुझायें। उसी चूल्हे या स्टोव को सूर्योदय से पूर्व न जलायें। जमीन में तांबे के चौकोर पत्तर गाड़ें। काली भुण्डी गाय की सेवा करें। खाना खाने से पहले अपने भोजन का एक छोटा सा हिस्सा आग में डालें। रविवार का व्रत रखें। हरिवंश पुराण का पाठ सुनें। चारपाई के पायों में तांबे की कल गाड़ें। माथे पर केसर या हल्दी का तिलक करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में सूर्य के साथ बैठे ग्रहों या सूर्य पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में पहला भाव खाली है। शादी के बाद आपके भाग्य का सितारा चमकेगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य एवं बुध एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं तथा मंगल, चंद्रमा या बृहस्पति नौवें भाव में स्थित हैं। आपको अपनी 34 वर्ष की आयु तक अपने रोजगार से कोई विशेष लाभ प्राप्त नहीं हो सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध सातवें भाव में एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति बृहस्पति का परिणाम प्रदान करती है। इन परिणामों का लाभ आपको अपनी आयु के 39वें वर्ष तक प्राप्त होगा। बुध की अपेक्षा सूर्य आपको अधिक परिणाम प्रदान करेगा, जो प्रायः अशुभ नहीं होंगे। इस युति में बुध कमजोर रहता है। बुध से जुड़ी हुई चीजें सूर्य की सहायता करती हैं। अगर आप स्वयं पर यकीन रख कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे, तो आपको सफलता और लाभ प्राप्त होंगे। युवावस्था में आपका भाग्योदय होगा। आप बाधाओं की चिन्ता किये बगैर बिना किसी सहारे के आगे बढ़ेंगे और सहजतापूर्वक विपत्तियों का सामना करेंगे। आप परिश्रम करने से भी नहीं घबरायेंगे। आपकी आय उत्तम होगी और उसका लाभ आपके प्रियजन भी प्राप्त करेंगे। आप पीड़ितों और असक्षम लोगों की भी आर्थिक मदद करेंगे। आप गूढ़ विषयों और ज्योतिष विद्या के जानकार होंगे। आपकी जीवनसाथी दृढ़ मनोशक्ति वाली होंगी। वे किसी धनी परिवार से हो सकती हैं और भाग्यवान तथा ओजपूर्ण होंगी। उनके चेहरे पर कोई निशान हो सकता है। आप रोग मुक्त रहेंगे और आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। इस युति के कारण शुक्र का प्रभाव क्षीण होगा। आपको युवावस्था में कष्टों का सामना करने के बाद वृद्धावस्था में सुख और आराम की प्राप्ति होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति उस पुष्प के समान है, जिसे फल प्राप्त होने के बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। सूर्य और शुक्र के एक साथ होने की दशा में इन दोनों में से केवल एक ही ग्रह के परिणाम प्राप्त होते हैं। आपके लिए 22 से 25 वर्ष की आयु में विवाह न करना श्रेष्ठ होगा। आपकी जीवनसाथी की जुबान पर मानो सरस्वती का वास होगा, जिससे उनका हर कथन अक्षरशः सत्य हो सकता है। सूर्य और शुक्र की युति संतान प्राप्ति में आने वाली हर बाधा को दूर करेगी, लेकिन पिता की आयु के बारे में संशय हो सकता है। आपको नौवें भाव में स्थित सूर्य के समान परिणाम प्राप्त होंगे। साथ ही सातवें भाव में स्थित बुध की तरह के परिणाम भी आपको प्राप्त होंगे। आप युवावस्था (20 वर्ष की आयु के आस पास) में तीर्थयात्रा कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है। यदि सातवें और नौवें भाव में अन्य ग्रह स्थित हैं तो बिना किसी कारण के झगड़े हो सकते हैं। आपको अपने घर को लाल रंग से कभी नहीं रंगना चाहिए। लाल रंग सूर्य और शुक्र के बीच बैर भाव को बढ़ाता है। दोनों ग्रहों की शत्रुता आपके लिए दुःख का कारण बन सकती है।

कुण्डली में चन्द्रमा देव का प्रभाव और उपाय

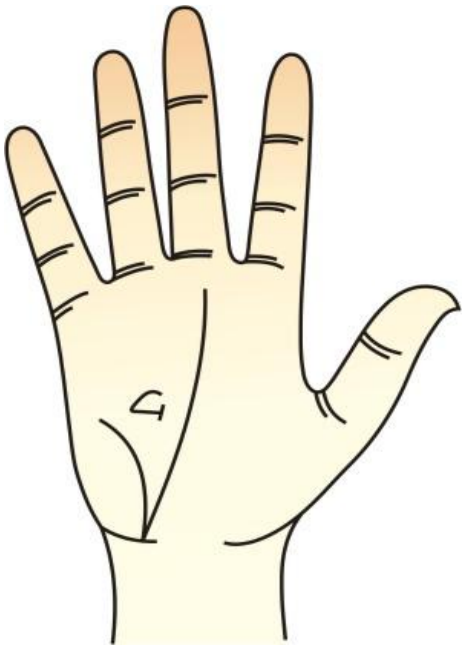

निम्न समयावधि में आपको चन्द्रमा का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1992 से 17/01/1993 तक, 18/01/2027 से 17/01/2028 तक, 18/01/2062 से 17/01/2063 तक)

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा नौवें भाव में स्थित है। आप विनम्र, परोपकारी और सुशील होंगे। आपको सताये हुये लोगों से सहानुभूति होगी और आप उनकी सदैव मदद करेंगे। आप समाज में सम्मानित व्यक्ति होंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति मिलेगी और आप इससे अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपका जीवन खुशियों और आराम से पूर्ण होगा। आप धन संग्रह करेंगे। 34 साल के बाद आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी, लेकिन 48 साल की आयु के बाद आप और धनी होंगे। 24 साल की आयु के दौरान चन्द्रमा आपको शुभ परिणाम प्रदान करेगा। आपको यात्रा करना पसन्द होगा। आप पवित्र स्थानों की भी यात्रा करेंगे। संगीत में आपकी रूचि होगी। आप धार्मिक होंगे और परोपकारी कार्य करेंगे। आप काम करने में दक्ष होंगे। आप गणित में निपुण होंगे। आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

अपने पिता से आपके संबंध मधुर होंगे और आप उनका ध्यान रखेंगे। आपको संतान का सुख प्राप्त होगा। आपको सावधानीपूर्वक व्यवहार करना चाहिये। आप बहुत सज्जन होंगे। यदि आप आक्रमक होने का प्रयास करेंगे तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विनम्र होना आपके लिये लाभकारी होगा। आप अपने जीवन में प्रगति के शिखर पर पहुँचेंगे। आप शराफतपसंद, साफ दिल वाले एवं सबकी भलाई चाहने वाले होंगे। आपको धार्मिक अनुष्ठानों, तीर्थ स्थानों की यात्रा आदि में बहुत रूचि होगी। आप दीर्घायु होंगे। आपको जमीन–जायदाद का सुख प्राप्त होगा। आप पागलों के डाक्टर हो सकते हैं। आप सामाजिक कामों में रूचि रखेंगे एवं जरूरतमंद लोगों की मदद करने में आगे रहेंगे। आपकी आयु के साथ–साथ आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता रहेगा। आपको समुद्री कामों से काफी लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपको चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध न रखें। झूठ न बोलें। अपनी आलमारी में चांदी का एक चौकोर टुकड़ा रखें। अपना चाल–चलन ठीक रखें। चावल, चांदी, दूध आदि का कारोबार न करें। जूठा भोजन न करें। झूठ न बोलें। घर की छत पर पानी न डलवायें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी चन्द्रमा के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

ननिहाल की स्थिती ठीक ना हो। शादी या औलाद से संबन्धित परेशानी हो। मूत्र संबन्धित बीमारी लग जाये। महसूस करने की ताकत खत्म हो जाये। दुध देने वाले जानवर मर जायें।

यदि आप धर्म के विरूद्ध कार्य करेंगे, धर्म के नाम पर धन एकत्र करेंगे, अपनी माता को सतायेंगे या उनका विरोध करेंगे तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में चन्द्रमा के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी सोच निम्न स्तर की होगी। यदि आप चांदी, चावल, पानी आदि सफेद चीजों का व्यापार करेंगे तो उसमें आपको हानि हो सकती है। आप धर्म के नाम पर मांग कर खाने वाले होंगे। चावल एवं चांदी के व्यापार से आपको हानि हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति 34 वर्ष के बाद बेहतर होगी। आपकी माता को आंख से संबंधित बीमारी हो सकती है। आपको मानसिक रोग भी हो सकती है।

आपको चन्द्रमा के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

तीर्थयात्रा पर जायें या धार्मिक कार्य करें। पानी में चार सूखे नारियल प्रवाहित करें। गरीब मजदूरों को दूध पिलायें। मछलियों को चावल खिलायें एवं सांप को दूध पिलायें। तीर्थ यात्रा करें। सोमवार का व्रत रखें। शिव जी की पूजा करें। रात में एक बर्तन में दूध भरकर रखें एवं सुबह उसे कीकर के पेड़ की जड़ में डाल दें। माता या माता समान स्त्री से लड़ाई–झगड़ा न करें। धर्म–कर्म के काम करते रहें। हर चंद्र ग्रहण के समय 4 श्री फल जल प्रवाह करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा के साथ बैठे ग्रहों या चन्द्रमा पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में नौवें भाव में स्थित चंद्रमा के साथ स्थिति या दृष्टि के अनुसार राहु का संबंध बन रहा है। आप मंदबुद्धि के हो सकते हैं, जिसकी वजह से आप अच्छे एवं बुरे की पहचान करने में असमर्थ हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में तीसरा भाव खाली है। आपको पुखराज धारण करना चाहिए, शुभ फलों में बढ़ोतरी होगी।

कुण्डली में मंगल देव का प्रभाव और उपाय

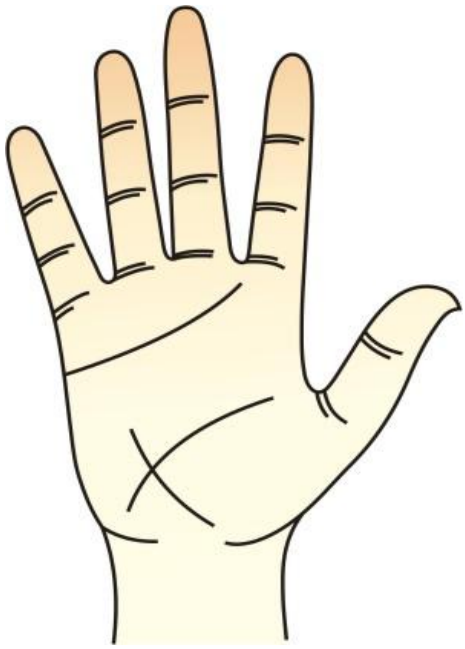

निम्न समयावधि में आपको मंगल का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1996 से 17/01/2002 तक, 18/01/2031 से 17/01/2037 तक, 18/01/2066 से 17/01/2072 तक)

आपकी कुण्डली में मंगल छठे भाव में स्थित है। आपका जन्म कई पूजा और मन्नतों के बाद हुआ होगा। आपको संतान देर से प्राप्त हो सकती है या आपको उसका सुख बुढ़ापे में मिल सकता है। आपको अपने व्यवसाय में उच्च पद प्राप्त होगा। आपको सम्मान मिलेगा। आपको भगवान और धर्म में आस्था होगी। आप साधुओं की तरह सोचेंगे। आप एक बहुत अच्छे लेखक होंगे। यदि आपका व्यवसाय शिक्षा, संगीत या उपदेश से संबंधित है तो आप उसमें बहुत प्रगति करेंगे। आपका भाग्य उदित होगा और आप भाग्यशाली होंगे। आपकी संतान पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि आप अपनी आय का कुछ भाग अपने छोटे भाई को देंगे तो यह आपके लिये लाभकारी होगा। आपके शत्रुओं की संख्या बहुत कम होगी और आप उन पर प्रभावी होंगे।

आप स्वस्थ और खुशहाल होंगे। विवाह के बाद आप प्रगति करेंगे। यदि आप साहूकार का काम करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आप साधु स्वभाव वाले, धार्मिक एवं किसी हुनर में माहिर होंगे। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी। यदि आप लिखने–पढ़ने से संबंधित किसी कार्य में संलग्न हैं तो आपकी दिन दूनी–रात चौगुनी तरक्की होगी। आप एक बड़े अधिकारी हो सकते हैं एवं आपके नीचे बहुत सारे लोग काम कर सकते हैं। आपकी संतान को अपने शरीर पर सोना धारण नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको कष्ट हो सकता है। अधिक संभावना है कि आप अकेले भाई होंगे। आपको नमकीन खाने का शौक होगा।

आपको मंगल के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

संतान के जन्म पर मीठा मत बांटें, उसकी जगह नमकीन बांटें। मजदूर व्यक्ति की सेवा करें। अपनी संतान को सोना न पहनायें। भाई के साथ झगड़ा न करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी मंगल

के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

आंख में परेशानी हो या कोई खराबी हो। संतान पैदा होते ही खत्म हो जाये। भाई–भतीजे की अचानक मौत हो जाये। ननिहाल या ससुराल में अचानक परेशानीयां खड़ी होने लगें। चोरी या डकैती के मुकदमें में फॅस जायें और सजा हो जाये। एकाएक गरीबी आ जाये। औलाद पैदा होने में परेशानी हो।

यदि आपने अपने भाई से शत्रुता रखी, अश्लील गाना गाने की आपमें आदत हुई, आप अपने सबसे बडे भाई से छोटे हुये, जानवरों से संबंधित कोई व्यवसाय किया तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में मंगल के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके भाई को हानि हो सकती है। शारीरिक रूप से आप कमजोर हो सकते हैं। आपको अचानक हानि हो सकती है। आपको संतान का सुख कम मिल सकता है या आपको संतान गोद लेनी पड़ सकती है। आप चिन्तित रह सकते हैं। आप समस्याओं का सामना कर सकते हैं लेकिन दूसरों को परेशान नहीं करेंगे। अपने भाई से शत्रुता आपके लिये हानिप्रद हो सकती है। आपके भाई की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। आपको माता का अधिक सुख नहीं मिल सकता है। यदि आप जानवरों से संबंधित कोई व्यापार करते हैं तो आपको हानि हो सकती है। आपको सरकारी विभाग के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। किसी खुशी के अवसर पर दिखावा करना, मिठाई बांटना या ढोल–बाजे बजाना अशुभ फल दे सकता है। किसी भी तरह के झगड़े में अपनी तरफ से शुरूआत न करें, भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है। आपको खून से संबंधित बीमारी, जैसे मधुमेह, रक्तचाप, खून की कमी, खून की एलर्जी, खून अधिक बहना आदि हो सकती है। आपको बवासीर की शिकायत भी हो सकती है।

आपको मंगल के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

9 वर्ष से कम उम्र की कन्याओं का पूजन करें। 6 कुंआरी कन्याओं को दूध पिलायें। अपने बहनोई की सेवा करें। चांदी या चावल का दान करें। गणेश जी की पूजा करें। महागायत्री का पाठ करें। हनुमान जी को सिंदूर लगायें। खाने के बाद मेहमानों को मीठा खिलायें। भाई की सेवा करें। घर में कच्ची कोठरी में 9 मन गेंहू रखें। भैंसे को चारा खिलायें। दुर्गा पूजन करें। भैस को चारा दें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में मंगल के साथ बैठे ग्रहों या मंगल पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल छठे भाव में है तथा सूर्य एवं बुध एक साथ स्थित हैं। आपको एवं आपके बहनोई को काफी शुभ फल प्राप्त होंगे।

आपकी कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। आप दीर्घायु होंगे एवं आपका वंश आगे बढ़ता जाएगा।

कुण्डली में बुध देव का प्रभाव और उपाय

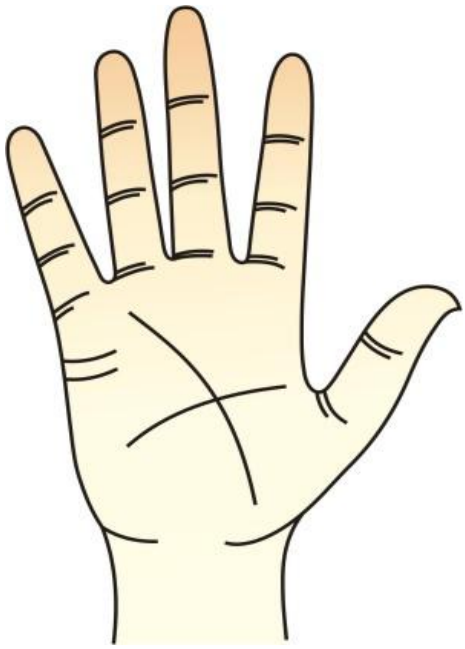

निम्न समयावधि में आपको बुध का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/2002 से 17/01/2004 तक, 18/01/2037 से 17/01/2039 तक, 18/01/2072 से 17/01/2074 तक)

आपकी कुण्डली में बुध सातवें भाव में स्थित है। आप सुशील और उत्तम आचरण करने वाले होंगे। आप छपाई, चिकित्सा, दवा और तैयार वस्तुओं के व्यापार में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। आपको अपने व्यवसाय या व्यापार में कोई समस्या नहीं होगी। आप 34 साल की आयु तक अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगे। आप धनी होंगे एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा होगी। आप विदेश यात्रा करेंगे। आपकी पत्नी धनी और प्रभावशाली परिवार से होंगी। आप एक अच्छे लेखक होंगे। आपको मुकदमों में सफलता प्राप्त होगी। आप अपने मित्रों और प्रियजनों की सहायता करेंगे। यदि आप शिल्पकारी, लकड़ी या मशीनरी से संबंधित कोई काम करेंगे तो आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। आप एक व्यवस्थित जीवन व्यतीत करेंगे। आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा हो सकता है। आपकी पत्नी एक उच्च परिवार से होंगी।

आप बहुत ज्यादा बुद्धिमान एवं कलम के धनी होंगे। आपकी साली आपके लिए कुछ भी कर सकती है। आपको जुबानी व्यापार, जैसे सट्टा, लॉटरी से दूर रहना चाहिए, हानि हो सकती है। आपको साझेदारी में भी काम करने से बचना चाहिए। आप दूसरों के लिए बहुत लाभदायक होंगे। आप अपने मित्रों एवं संबंधियों की मदद करने में हमेशा आगे रहेंगे। आपको किसी सीखी हुई कला से बहुत लाभ प्राप्त होगा। किसी भी प्रकार के झगड़े या मुकदमें में आपको कोई नुकसान नहीं होगा। आप दृढ़–विश्वासी होंगे एवं दूसरों की भलाई करने में सबसे आगे रहेंगे। यदि आपको पुत्र संतान की तुलना में कन्या संतान अधिक है तो आपके धन में लगातार वृद्धि होती रहेगी।

आपको बुध के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

पत्नी से लड़ाई–झगड़ा न करें। घर में हरी घास न लगायें। घर में कोई बिजली का सामान खराब स्थिति में न रखें। ब्याज पर धन न दें। झूठी आशायें न लगायें। साझेदारी में कोई कारोबार न करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी बुध के

अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

सुंघने की शक्ति खत्म हो जाये। सामने के दांत झड़ जायें। सीढ़ीयों से गिरकर हाथ–पांव तुड़वा बैठें। बहन, बुआ, मौसी, साली या अपनी बेटी की हालत ठीक ना हो। कोई आपको धोखा दे दे। अपनी औलाद से परेशानी हो जाये।

यदि आपने साहूकार का काम किया, अपनी पत्नी के साथ झगड़ा किया, अपने भाई या साले के साथ साझेदारी की, गलत व्यवहार किया तो आपका बुध कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में बुध के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका अपनी साली के साथ संबंध हो सकता है। इस कारण से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। आपके विवाह में समस्या आ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से अलग होना पड़ सकता है या आपका तलाक हो सकता है। यदि आपके विवाह में देरी हो रही है तो 34 साल की आयु तक आपका विवाह हो जायेगा। आपके भाई और संबंधी आपका विरोध कर सकते हैं। आप बहुत बुद्धिमान नहीं हो सकते हैं और आप देर से परिपक्व होंगे। आप अपने परिवार के बिखराव का कारण बन सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं हो सकती है। आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। आपकी बहन, बुआ, बेटी एवं साली को कष्ट हो सकता है। आपका 34वां साल बहुत खराब गुजर सकता है। आपके गृहस्थ सुख में कमी हो सकती है। आपको पुत्र संतान अधिक हो सकते हैं। भाई एवं साले के साथ साझेदारी वाले कामों में नुकसान हो सकता है। आपकी पत्नी भी आपका विरोध कर सकती है। आपमें बार–बार थूकने की आदत हो सकती है एवं आप वहमी हो सकते हैं।

आपको बुध के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

काले रंग की भुण्डी गाय की सेवा करें। बेटी का कन्यादान करें। साली से दूर रहें। अपनी बेटी की हर कामना पूरी करें एवं उसे सम्मान दें। किसी विद्वान ज्योतिषी से सलाह लेकर हीरा पहनें। औरत का सम्मान करें। यदि मुंह में थूक आता है तो उसका इलाज करायें। दुर्गा पाठ करें या करवायें। काम पर जाते समय चीनी खाकर पानी पी कर निकलें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में बुध के साथ बैठे ग्रहों या बुध पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में बुध सातवें भाव में स्थित है तथा पहला भाव खाली है। आपकी कुण्डली में बुध सोया हुआ है। आपको अधिक शुभ फल प्राप्त नहीं हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध अपने पक्के घर में स्थित है। आप पराई औरतों से प्रेम संबंध बना सकते हैं एवं उनसे सुख प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध और शुक्र एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। आप समृद्धशाली होंगे। यदि इस युति पर अन्य ग्रहों की दृष्टि नहीं पड़ रही है तो आपको शुक्र का शुभ फल मिलेगा। इन दोनों ग्रहों की अवधि समान होती है और ये दोनों शक्तिशाली ग्रह हैं। ये दोनों 44 वर्ष की आयु तक साथ रहते हैं। आप धनी होंगे, लेकिन आपकी नौकरी में स्थिरता का अभाव हो सकता है। आप अर्ध सरकारी नौकरी कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय और आनन्दायक होगा। आपकी जीवनसाथी चतुर होंगी। आप अनाजों का व्यापार करके लाभ कमा सकते हैं। तराजू से तोल कर दी जाने वाली वस्तुओं के व्यापार से आपको आय की प्राप्ति होगी। राहु या केतु के कारण चन्द्रमा के कमजोर होने से शुक्र और

बुध के प्रभाव के कारण जीवनसाथी और संतान के सम्बन्ध में बाधायें आ सकती हैं। इस अशुभता के निवारण हेतु आपको कांसे के बर्तन में भोजन करना चाहिए।

कुण्डली में गुरू देव का प्रभाव और उपाय

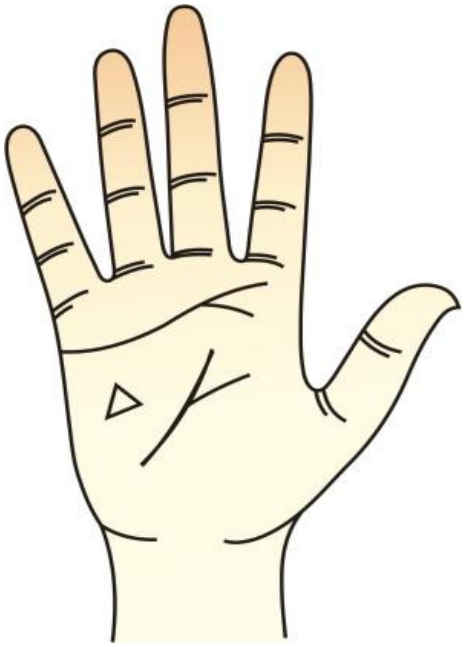

निम्न समयावधि में आपको गुरू का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1984 से 17/01/1990 तक, 18/01/2019 से 17/01/2025 तक, 18/01/2054 से 17/01/2060 तक)

आपकी कुण्डली में बृहस्पति आठवें भाव में स्थित है। आप धनी और दीर्घायु होंगे। आप विनम्र, विवेकी, चरित्रवान और अच्छे स्वभाव वाले होंगे। आप अपने परिवार की सारी परेशानियों का सामना स्वयं करेंगे। आपके पिता दीर्घजीवी होंगे। आपकी आय और सम्पत्ति बढ़ती रहेगी। जब भी आप कोई परेशानी का सामना करेंगे तो भगवान आपकी मदद करेगा। आप आध्यात्म और गूढ़ विज्ञान में निपुण होंगे। आपको अपने भाग्य में वृद्धि के लिए सोना अवश्य धारण करना चाहिए। आपको अपना चरित्र साफ रखना चाहिए, अन्यथा अपमानित हो सकते हैं। आप बुलंद किस्मत के मालिक होंगे। आप अपने बल पर तरक्की करेंगे। आप दानी स्वभाव वाले होंगे।

आपको गुरू के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपने घर से भिखारियों को खाली हाथ न जाने दें। एक जगह रहने वाले साधु–फकीर से संबंध न रखें। पराई स्त्री से अवैध संबंध न रखें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी गुरू के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

किसी कारणवश शिक्षा में रूकावट आ जाये। सोना खो जाये या चोरी हो जाये। चोटी रखने वाले स्थान पर का बाल गिरने लगे। गलत इल्जाम लगने लगे। दिमागी कार्यों में मन ना लगे। गले में माला पहनने का मन करे।

यदि आप दूसरों के धन का प्रयोग करेंगे, दबे कुचले लोगों को सतायेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में गुरू के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका बृहस्पति कमजोर है तो आपको अपने पिता से दूर रहना पड़ सकता है। यदि आप अपने पिता से दूर रहते हैं तो आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आप अफवाहों के शिकार हो सकते हैं। यदि आप संसार को छोड़ कर साधु बन जाते हैं तो आप दुःखी रहेंगे। आपके परिवार को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कभी–कभी आप हिम्मत हार सकते हैं। आपको मूत्र संबंधी कोई रोग हो सकता है। आपके कार्य बाधित हो सकते हैं। आप आलस्य का अनुभव कर सकते हैं। आपको किसी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है या आप दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आप कोई ऐसा काम कर सकते हैं, जिसके लिये आपको पछताना पड़ सकता है।

आपके पिता की मृत्यु आपके जन्म के 8 साल बाद हो सकती है। यदि आपके पिता जीवित रहते हैं तो आप अपने पिता के साथ इकट्ठे नहीं रह सकते हैं। आपको अपने पिता के साथ रहने का मौका कम मिलेगा। आप दूसरों के धन का उपभोग कर सकते हैं। आप कर्जदार एवं डरपोक हो सकते हैं। आप गंदे इश्क के चक्कर में पड़कर बदनाम हो सकते हैं। पराई स्त्रियों के चक्कर में आपको अपमानित होना पड़ सकता है। आपका मकान या दुकान श्मशान के नजदीक हो सकता है।

आपको गुरू के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

हर समय गले में सोना या पीले रंग का धागा पहनें। 800 ग्राम चने की दाल 8 दिन तक मंदिर में दान करें। श्मशान में पीपल का पेड़ लगवायें। 8 हल्दी की गांठें 3 दिन तक मंदिर में दान करें। यदि किसी स्त्री की वजह से आपकी बदनामी हो रही है तो कच्चे सूत को हल्दी से पीला करके पीपल के पेड़ में लपेटें। दादा की उम्र के साधु या फकीर की सेवा करें। राहु की वस्तुयें जैसे गेंहू, जौ, नारियल बहते पानी में बहायें। मंदिर में घी, आलू, कपूर आदि का दान करें। बृहस्पतिवार का व्रत रखें। भगवान विष्णु की पूजा करें। अपने कुलपुरोहित की सेवा करें। शुद्ध सोना, केसर, चने की दाल धर्म स्थान में दें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में गुरू के साथ बैठे ग्रहों या गुरू पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में स्थित है। आपकी तबीयत एक से अधिक बार गंभीर रूप से खराब हो सकती है, लेकिन आपकी असामयिक मौत नहीं हो सकती है।

कुण्डली में शुक्र देव का प्रभाव और उपाय

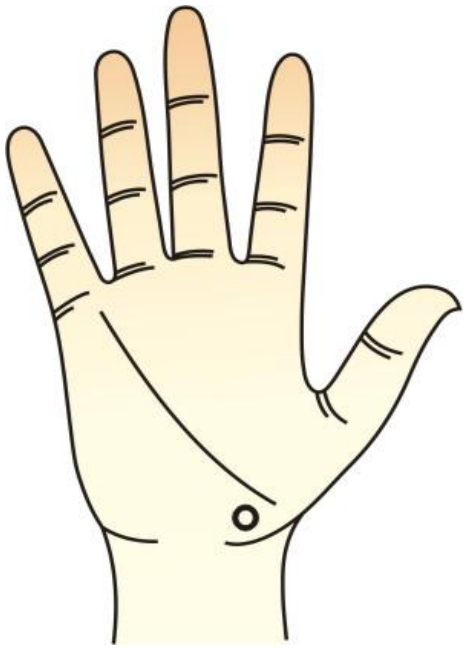

निम्न समयावधि में आपको शुक्र का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1993 से 17/01/1996 तक, 18/01/2028 से 17/01/2031 तक, 18/01/2063 से 17/01/2066 तक)

आपकी कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। आपकी माता और पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे और वे माता–पुत्री की तरह रहेंगी। आपको किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी नहीं होगी। आपका धन बढ़ता रहेगा। आप केवल 25 साल की आयु तक परेशानी का सामना करेंगे, उसके बाद आप एक सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। टेन्ट, ब्यूटी पार्लर, तैयार वस्त्रों और विवाह में प्रयोग की जाने वाली चीजों से संबंधित कोई व्यवसाय आपके लिये लाभकारी होगा। आपके पास खेती की भूमि होगी। आपको भवन और वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपको किसी काली महिला से लाभ प्राप्त होगा। 37 साल की आयु तक आपको अपने जीवनसाथी का बहुत सुख मिलेगा। आप समुद्री यात्रा से धन प्राप्त करेंगे। आपको अपने जन्मस्थान पर लाभ प्राप्त नहीं हो सकता है। आप संसार में कहीं भी रहें, अपनी मृत्यु के दौरान आप अपने घर वापस आ जायेंगे। आपकी आमदनी का स्रोत आपके जन्मस्थान से दूर होगा।

आप छोटी–बड़ी कई यात्रायें कर सकते हैं, जिसकी वजह से आपको घर का सुख कम प्राप्त हो सकता है। आपकी पत्नी काफी खूबसूरत एवं मधुर स्वभाव वाली होंगी। आपको अपने ससुराल के लोगों के साथ साझेदारी में कोई काम नहीं करना चाहिए, अन्यथा हानि हो सकती है। आपकी पत्नी खूबसूरत, पतिव्रता एवं बुद्धिमान होंगी। आपका गृहस्थ जीवन सुखमय होगा। आपको ससुराल से लाभ प्राप्त होगा। आपको चित्रकारी या किसी अन्य कला से लगाव हो सकता है। आप अपनी किस्मत खुद बनायेंगे। आपको यात्राओं से लाभ प्राप्त होगा। आप अधिकांश समय घर से बाहर रहेंगे। आप अपने पिता के लिए मददगार होंगे। गलत लोगों से आप दोस्ती नहीं करेंगे। आपको अपने ससुराल से मिले धन को व्यवसाय में लगाना चाहिए, इससे आपके व्यवसाय में तरक्की होगी।

आपको शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

पराई स्त्रियों से अवैध संबंध न रखें। सफेद गाय न पाले और न ही उसकी सेवा करें। चमड़े के बटुये में धन न रखें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी शुक्र के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

पराई स्त्री से संबंन्ध बन जाये। बिना बीमारी के अंगुठा सुन्न पड़ जाये। जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो जाये या उसे कोई दिमागी बीमारी लग जाये। खांसते वक्त मुंह से खुन आये। सास बहु में लगातार झगड़ा हो।

यदि आपकी पत्नी का रंग गोरा हुआ, आपने अपने साले के साथ साझेदारी में व्यापार किया, आपका चरित्र खराब हुआ तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में शुक्र के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके संबंधी और मित्र आपके धन का दुरूपयोग कर सकते हैं। वे आपके व्यापार में भी परेशानी पैदा कर सकते हैं। अपनी पत्नी के संबंधियों को व्यापार में भागीदार न बनायें। आपका वैवाहिक जीवन मधुर नहीं हो सकता है और आपको अपनी संतान के जन्म में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। चमड़े के बटुये में धन न रखें। आपकी पत्नी और माता के बीच संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं या ग्रहों के प्रभाव के कारण वे साथ नहीं रह सकती हैं। यदि पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध हुये तो आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आपका चरित्र संदेहास्पद हो सकता है। आप अपनी संतान की वजह से चिंतित रहेंगे। आपको संतान प्राप्ति में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। साले के साथ साझेदारी के कामों में हानि हो सकती है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। आपका धन चोरी हो सकता है। आप स्त्रियों के कारण अपमानित हो सकते हैं। नीच किस्म की औरतों के साथ आपके संबंध हो सकते हैं। आपका विवाह देर से होगा। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

आपको शुक्र के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

लाल गाय की सेवा करें। सफेद गाय न तो पालें और न ही उसकी सेवा करें। यदि पत्नी अक्सर बीमार रहती हैं तो उनके भार के बराबर ज्वार किसी धार्मिक स्थान में दान दें। अपने माता–पिता की सेवा करें। गंदे नाले में नीला फूल बहायें। किसी धार्मिक स्थान में कांसे का बर्तन दान करें। विवाह के समय गाय का दान करें। कांसे का बर्तन दहेज में लें। घर आये अतिथियों का उचित सत्कार करें। हीरा पहनें। इत्र, सेंट इत्यादि का प्रयोग करें। अपने पहनावे पर ध्यान दें। बिल्ली की जेड़ कंबल में लपेट कर रखें।

कुण्डली में शनि देव का प्रभाव और उपाय

निम्न समयावधि में आपको शनि का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/2004 से 17/01/2010 तक, 18/01/2039 से 17/01/2045 तक, 18/01/2074 से 17/01/2080 तक)

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में स्थित है। आप धन की परवाह नहीं करेंगे और मुक्त हाथों से खर्च करेंगे। आपको पैतृक सम्पत्ति मिलेगी। आप जरूरतमंदों की मदद करेंगे और उनको बसायेंगे। आपका कोई शत्रु नहीं होगा। आप धनी और खुशहाल होंगे। आपकी मनोकामनायें देर–सबेर पूरी हो जायेंगी। आपके पास विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति होगी। आपका संबंध एक कुलीन परिवार से होगा। आप धन संग्रह करेंगे और एक सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपने पूर्व जन्म की कामना के अनुसार कोई बड़ा काम पूर्ण करेंगे। आप ध्यान में निपुण होंगे। आप नेता या प्रमुख बनने का सम्मान प्राप्त करेंगे। यह आपकी आय और सुख के लिये शुभ होगा। आप अधिक चतुर होंगे। आपको रात्रि में पूरा सुख और आराम मिलेगा। यदि आप गंजे हैं तो आपके पास प्रचुर मात्रा में धन–दौलत हो सकता है। यदि आप मकान बनवा रहे हैं तो काम बीच में न रोकें, एक बार में ही पूरा मकान बनने दें, इससे आपके और मकान बनेंगे। आपको शुभ फल प्राप्त होंगे।

आपको धन–संपत्ति की परवाह नहीं हो सकती है। आपकी माता को कुछ कष्ट हो सकता है तथा पिता को धन संबंधी मामलों में अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप व्यापार करते हैं तो अपने व्यापार में आप बहुत सफल होंगे। हालॉकि आप पैसे के पीछे नहीं भागेंगे, लेकिन आपके पास कितनी भी संपत्ति क्यों न हो, आप दूसरों के साथ धोखा या फरेब करेंगे। आप अपने पूर्व जन्म के अधूरे कार्य को पूरा करेंगे एवं इस जन्म में कोई बड़ा काम करना चाहेंगे। आपके मकान में कोई अंधेरी कोठरी होगी। आप बुद्धिमान एवं परोपकारी होंगे तथा दूसरों के भेद किसी के सामने उजागर नहीं करेंगे।

आपको शनि के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपने नाम पर प्लॉट खरीदकर मकान न बनायें। मांस–मदिरा का सेवन न करें। पराये धन एवं स्त्री से दूर रहें। जूठा भोजन न करें। झूठ न बोलें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी शनि

के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

एकाएक मकान ढह जाये। अचानक घर में दुध देने वाला पशु मर जाये। घर में अगलगी की घटनाएं होने लगें। चमड़े का जुता/चप्पल खो जाये। छोटा भाई दुश्मनी करने लगे। परिवार के किसी ब्यक्ति की लड़ाई–झगड़े में मौत हो जाये। नशा करने की लत पड़ जाये। धोखे से पैसा कमाना शुरू कर दें। जमीन जायदाद का नुकशान होने लगे। बुढापा गरीबी में कटने लगे। कोई लाइलाज बीमारी लग जाये।

यदि आप जमीन खरीद कर मकान का निर्माण करते हैं, घर के अन्त में स्थित अंधेरे कमरे में खिड़की या रोशनदान बनाते हैं, हमेशा झूठ बोलते हैं, दूसरों का धन हड़पने का प्रयास करते हैं तो आपका शनि कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में शनि के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको नेत्र विकार हो सकता है। यदि आपका चरित्रहीन औरतों के साथ संबंध है या आप मदिरा का सेवन करेंगे तो आपको अशुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपका एक से अधिक बार विवाह हो सकता है। आप वही करेंगे, जो आपकी पत्नी करने को कहेगी। कभी–कभी आप बहुत क्रोधित हो सकते हैं, जो आपके लिये हानिकारक होगा। आपको संतान सुख में बाधा आ सकती है और उसमें विलम्ब हो सकता है। आपको सम्पत्ति या किसी के नुकसान के संबंध में कानूनी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। आपको पुलिस या कोर्ट द्वारा दंड मिल सकता है। आपको झूठ नहीं बोलना चाहिए, अपने चरित्र का ध्यान रखना चाहिए तथा मांस–मदिरा से दूर रहना चाहिए, अन्यथा शनि का अशुभ प्रभाव आपकी आंखों एवं स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

आपकी आमदनी कम एवं खर्चे अधिक हो सकते हैं। आप मांस–मदिरा का सेवन कर सकते हैं एवं आप सांपों की हत्या कर सकते हैं। आप छल–कपट से धन संग्रह कर सकते हैं, जिसके कारण आपको कारावास भी हो सकती है। आप लंबे चलने वाले मुकदमें में फॅस सकते हैं। यदि आपने अपने मकान की पिछली दीवार गिरा का छोड़ दी है तो आपके परिवार में असामयिक मौत हो सकती है या परिवारजन को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। आपको ऑखों से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।

आपको शनि के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

अपना चाल–चलन ठीक रखें। अपने मकान के दक्षिणी कोने पर काले कपड़े में 12 बादाम स्थपित करें। 12 शनिवार मछलियों को बादाम खिलायें। अपने मकान में एक अंधेरी कोठरी जरूर रखें। शनिवार का व्रत रखें। तेल एवं शराब का दान करें। तांबे के बर्तन का प्रयोग करें। लकड़ी के चौरस पलंग पर सोयें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में शनि के साथ बैठे ग्रहों या शनि पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में स्थित है और दूसरे भाव में सूर्य, चंद्रमा या मंगल स्थित नहीं है। आपको रात का पूरा सुख प्राप्त होगा। आपकी मानसिक एवं आर्थिक स्थिति के लिए शुभ फल प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति आठवें भाव में स्थित है। आपके पिता–दादा दीर्घायु होंगे।

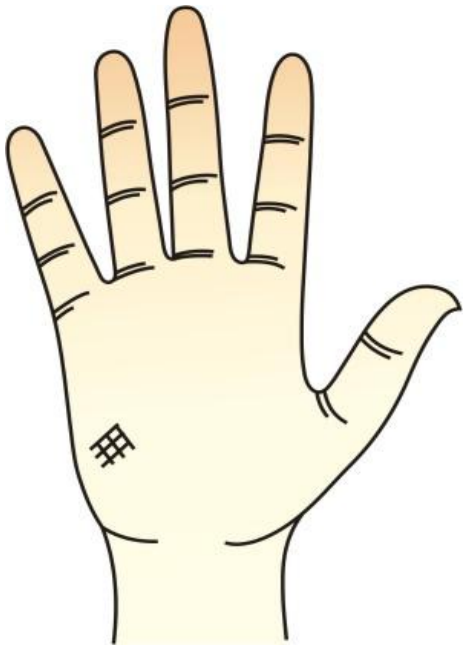

निम्न समयावधि में आपको राहु का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1975 से 17/01/1981 तक, 18/01/2010 से 17/01/2016 तक, 18/01/2045 से 17/01/2051 तक)

आपकी कुण्डली में राहु पॉचवें भाव में स्थित है। आपको पहले पुत्र की प्राप्ति 21 साल की आयु और दूसरे की 42 साल की आयु के दौरान होगी। आपको पुत्रों का सुख प्राप्त होगा। आप बहुत विद्वान होंगे, लेकिन आपकी संतान बुद्धिमान नहीं हो सकती है। आपका पौत्र आपसे अधिक सुखी जीवन व्यतीत करेगा। आपकी माता का सारा जीवन सुखी और आनन्दपूर्ण होगा। आपका धन और सम्पत्ति बढ़ेगी। आपको भाई का सुख प्राप्त होगा। आप परिवार के मुखिया होंगे और आर्थिक निर्णय करेंगे। आप धर्म का पालन करेंगे और सिद्धान्तों को मानेंगे। व्यापार आपके लिये धन कमाने का सर्वोत्तम साधन होगा। आपको सरकारी अधिकारियों से लाभ प्राप्त होगा। आपको अपनी संतान की पैदाईश पर जश्न नहीं मनाना चाहिए, आपकी संतान पर अशुभ असर पड़ सकता है।

यदि आपको संतान से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है तो लगातार 43 दिनों तक धर्म स्थान में बादाम चढ़ायें। आप शरारती हो सकते हैं। आपको 21वें या 42वें वर्ष में संतान की प्राप्ति हो सकती है। आपके मान–सम्मान, बुद्धि, आमदनी में वृद्धि होती रहेगी। सरकारी अधिकारियों या विभागों से लाभ प्राप्त होगा। जब तक आपकी माता जिंदा रहेंगी, आपकी संतान एवं धन–दौलत की रक्षा होती रहेगी।

आपको राहु के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

अपने परिवार से अलग न रहें। पराई स्त्रियों से अवैध संबंध न बनायें। बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब न होने दें। दूसरी शादी न करें। दहेज में बिजली का सामान, नीले रंग के कपड़े और स्टील के बर्तन न लें। मांस–मदिरा से दूर रहें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी राहु के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

अचानक ही परिवार के बड़ों में लड़ाई–झगड़ा होने लगे। मकान की छत बदलवानी पड़े। काला कुत्ता खो जाये। धर्म और धार्मिक कार्यों का विरोध करने लगें। पेट के रोगी हो जायें। तलाक की नौबत आ जाये। ठीक–ठाक चलता कारोबार अचानक ठप्प पड़ जाये। दर–दर भटकने की नौबत आ जाये। रात को नीद ना आये। बुरी आदतों पर पैसा खर्च होने लगे। जीवनसाथी का गर्भपात हो जाये।

यदि अपनी पत्नी के साथ आपके अच्छे संबंध नहीं हुये, आपने अपने पैतृक घर की दहलीज खराब की, पिता या ससुर के झगड़ा किया तो आपका राहु कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में राहु के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप अपनी पढ़ाई की तरफ ध्यान नहीं दे पायेंगे। आपकी शिक्षा अधूरी रह सकती है या आपको ऐच्छिक शिक्षा प्राप्त नहीं हो सकती है। आपकी संतान के जन्म के 12 साल के बाद तक आपकी पत्नी का स्वास्थ्य खराब रह सकता है। आपकी पहली पत्नी जीवित नहीं रह सकती है या उनसे आपका तलाक हो सकता है। यदि ऐसा हुआ तो आपको संतान सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आप पापकर्मों में शामिल हो सकते हैं। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है और आपका धन बर्बाद हो सकता है। आप नेत्र रोग से पीड़ित हो सकते हैं। आपका दिमाग स्थिर नहीं हो सकता है और आपके कार्य करने का तरीका परिवर्तनशील हो सकता है। आपके बड़े भाई को संतान सुख नहीं मिल सकता है। आपकी आयु का 21वॉ या 42 वॉ साल आपके पिता या ससुर के जीवन के लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आपकी पत्नी को गर्भपात भी कराना पड़ सकता है।

आपको शिक्षा के क्षेत्र में बाधाओं या रूकावटों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी पहली पत्नी से कोई संतान नहीं हो सकती है। यदि संतान होती है तो संतान के जन्म से 12 वर्ष तक आपकी पत्नी का स्वास्थ्य चिंता का विषय हो सकता है। यदि राहु की अशुभ स्थिति के कारण आपको संतान की उत्पत्ति से संबंधित कोई परेशानी हो रही है तो अपनी पत्नी के साथ विधिपूर्वक दुबारा शादी करें। इसके अलावा, अपने पुश्तैनी मकान में चांदी का पत्तर दबायें या गाय पालें तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आपकी पहली संतान के जन्म में विघ्न आ सकता है। जब तक आपकी माता जिंदा रहेंगी, तब तक राहु का अधिक अशुभ फल प्राप्त नहीं होगा। यदि आपका कोने का मकान है या आपके घर में सीढ़ियों के नीचे रसोई है या आपके घर में बिजली का मीटर रूक–रूक कर चलता हो तो आपके घर में बीमारियों पर अधिक खर्च हो सकता है। उपाय के तौर पर 4 किलो जौ खद्दर के लाल कपड़े में बांधकर गौमूत्र लगाकर जल प्रवाह करें।

पहली या दूसरी संतान होने के बाद आपकी कोई संतान या पिता या दादा या ससुर को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। आपकी दो शादी हो सकती है। पहली शादी 34 वर्ष से पहले और दूसरी शादी 34 वर्ष के बाद हो सकती है। जिस काम को शुरू करेंगे, उसमें घाटा उठाना पड़ सकता है। घर में किसी खुशी या त्योहार के मौके पर अशुभ घटना घट सकती है। आपके कोई भाई निःसंतान हो सकते हैं।

आपको राहु के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

60 ग्राम ठोस चांदी का हाथी चांदी की पत्ती पर खड़ा करके घर में रखें। रात में अपनी पत्नी के सिरहाने 5 मूलियां रखकर प्रातः मंदिर में दान करें। संतान सुख के लिए अपने पैतृक मकान की दहलीज के नीचे चांदी का पत्तर दबायें। अपना चरित्र साफ–सुथरा रखें। अपनी पत्नी से दुबारा शादी करें। कन्यादान करें। सरसों, तम्बाकू आदि दान करें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में राहु के साथ बैठे ग्रहों या राहु पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है। आपके घर में लड़कों की संख्या अधिक हो सकती है।

कुण्डली में केतु देव का प्रभाव और उपाय

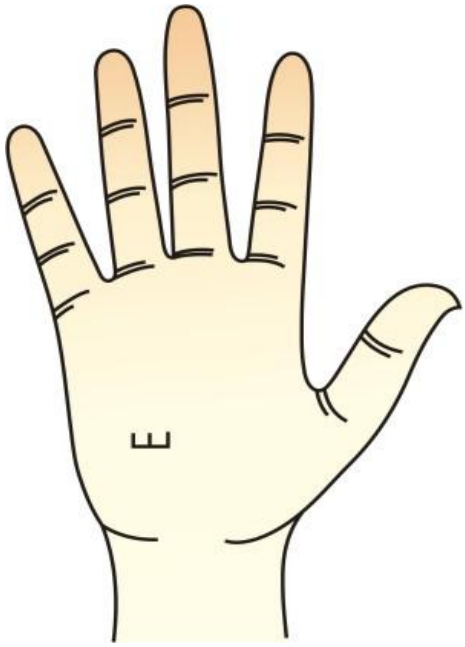

निम्न समयावधि में आपको केतु का अच्छा या बुरा फल प्राप्त होगा

(18/01/1981 से 17/01/1984 तक, 18/01/2016 से 17/01/2019 तक, 18/01/2051 से 17/01/2054 तक)

आपकी कुण्डली में केतु ग्यारहवें भाव में स्थित है। आप बहुत धन अर्जित करेंगे और एक बहुत खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। आपको अपने भविय के लिये सजग रहना चाहिये। आपको सरकारी मामलों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आप अपनी पैतृक सम्पत्ति से अधिक धन कमायेंगे। आपके कुण्डली में राजयोग है। आपको सरकार से सम्मान प्राप्त होगा या आपको सम्मानित व्यक्ति से लाभ मिलेगा। कभी–कभी आप हिम्मत हार सकते हैं। आपकी संतान स्वस्थ होगी और अच्छे काम करेगी। आपके पास पैतृक संपत्ति भले ही ज्यादा न हो, लेकिन आप अपनी मेहनत से संपत्ति अर्जित कर लेंगे। आप पुरानी बातों को भूलकर आने वाले समय के बारे में सोचेंगे। सरकारी अधिकारियों से लाभ प्राप्त होगा। आपकी माता दीर्घायु होंगी। आपके लिए काला कुत्ता पालना लाभदायक होगा।

आपको केतु के शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न परहेज करना चाहिए –

काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो थोड़ी देर रूक कर जायें। अपना अतीत याद न करें।

निम्न शारीरिक/पारिवारिक/आर्थिक अथवा सामाजिक लक्षणों के आधार पर भी केतु के अशुभ होने का अनुमान लगाया जा सकता है।

औलाद को सांस से संबंन्धित बीमारी लग जाये। शुगर (मधुमेह) की बिमारी हो जाये। औलाद की पैदाइश में

परेशानी हो। जोडों का दर्द परेशान करे। दीवानी मुकदमे में पैसा खर्च हो। कुत्तों से डर लगने लगे। मकान की छत गिर जाये। भाई की तरफ से परेशानी हो। अचानक ही फोडे–फुंसी से परेशान हो जायें।

यदि आपने अपनी माता से झगड़ा किया या उनका विरोध किया, अपने पुत्र का पालन ठीक प्रकार से नहीं किया, अपने काम पर जाते समय किसी ने आपको पीछे से पुकारा तो आपका केतु कमजोर हो सकता है।

आपको निम्न स्थितियों में केतु के उपाय अवश्य करना चाहिए –

यदि आपका केतु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी संतान को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपनी माता के साथ आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं या उनको आपकी संतान से सुख नहीं प्राप्त हो सकता है। आपके पेट में भयानक दर्द हो सकता है। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपकी माता को मृत्युतुल्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उनकी ऑख की शल्य चिकित्सा हो सकती है। आप आलस या नपुंसकता का अनुभव कर सकते हैं। जब भी आपके घर कोई बेटा, पोता या दोहता पैदा होगा, आपकी माता की आंखों एवं छाती पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। आपकी माता एवं सास को चाहिए कि अपने पोते या दोहते का मुंह 45 दिन तक न देखें। यदि आपको मुर्दा संतान पैदा होती है तो इस अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए आपकी पत्नी को चाहिए कि रात में सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह किसी धर्म स्थान में दान करें, आपको संतान की प्राप्ति होगी।

आप बहुत ज्यादा हिम्मती व्यक्ति नहीं हो सकते हैं। आप बहुत ज्यादा आलसी हो सकते हैं। आपकी संतान बहुत ही मधुर स्वभाव वाली होगी। आपकी माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। उनकी आंखों पर बुरा असर पड़ सकता है। आपकी माता या आपके बेटे को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। आपकी कोई संतान मृत पैदा हो सकती है। आप गरीबी से जूझ सकते हैं। किसी शुभ काम पर जाते समय अक्सर कोई आपको पीछे से आवाज दे सकता है, ऐसा होने पर थोड़ी देर रूक कर जायें।

आपको केतु के अशुभ फलों में कमी लाने के लिए निम्न उपाय करना चाहिए –

काला कुत्ता पालें। आपकी पत्नी को अपने सिरहाने रात को सोते समय मूली रखकर सोना चाहिए और सुबह में उसे किसी धर्म स्थान में दान करना चाहिए। यह उपाय लगातार 43 दिन करें। रसोई में काला–सफेद चकला रखें। कपिला गाय का दान करें। गौशाला में चारा दें। कुत्तों को भोजन करायें। दोरंगा पत्थर पहनें। बीते हुए समय को याद रखें। भैरों मंदिर में दूध चढ़ायें।

कुण्डली में अन्य ग्रहों एवं भावों का प्रभाव और उनका उपाय –

आपकी कुण्डली में केतु के साथ बैठे ग्रहों या केतु पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों का भी प्रभाव पडता है। इस भाग में उन सारी स्थितियों का पता लगाया गया है एवं उनके परिणाम और उपाय दिए गये हैं।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में स्थित नहीं है। आपको सरकार या सरकारी अधिकारियों से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।

लाल–किताब ग्रहफल

हमारी विशेष भविष्यवाणियों के साथ अपने जीवन की लौकिक पेचीदगियों में गहराई से जानें, जिसमें प्रकाशमान सूर्य से रहस्यमय केतु तक के ग्रहों की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है – सभी की व्याख्या लाल किताब के सदियों पुराने ज्ञान के माध्यम से की गई है। इन गहन अंतर्दृष्टियों के साथ, हम आपके जीवन की ऊर्जाओं को संतुलित करने के लिए व्यावहारिक लाल किताब उपाय प्रस्तुत करते हैं। यह आपके भाग्य को आकार देने वाली दिव्य शक्तियों की गहरी समझ का प्रवेश द्वार है।

आठवें भाव में स्थित गुरू का फल

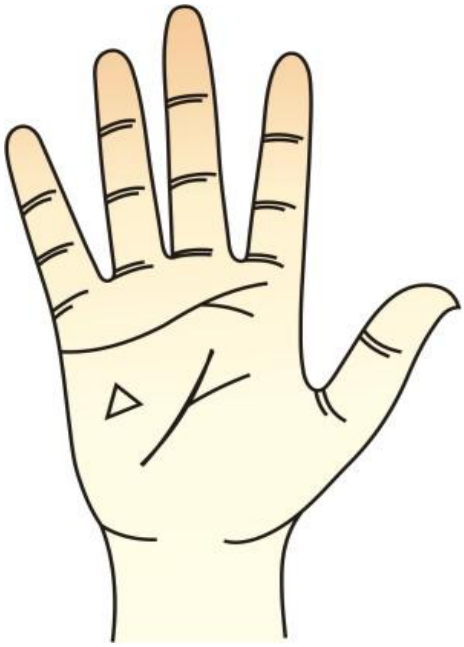

लाल किताब में आठवें भाव में स्थित बृहस्पति को दैविक सहायता का कारक माना गया है। आप जब भी मुसीबत में होंगे, ईश्वर आपकी सहायता अपने आप करेंगे। आपको अपने भाग्य में बढ़ोत्तरी करने के लिए सोना अवश्य पहनना चाहिए। आपको अपने पिता के साथ रहने का मौका कम ही मिल सकता है।

आपको अपना चरित्र साफ–सुथरा रखना चाहिए, अन्यथा अपमान का भय बना रह सकता है।

आपकी कुण्डली में शनि या मंगल अशुभ है। लाल किताब के अनुसार, आपको कर्ज लेने से बचना चाहिए।

आठवें भाव में स्थित गुरू के उपाय और सावधानियाँ

(1) हर समय गले में सोना या पीले रंग का धागा पहने रहें।

(2) 800 ग्राम चने की दाल 8 दिन तक मंदिर में दान

करें।

(3) श्मशान में पीपल का पेड़ लगवायें।

(4) हल्दी की गांठे 3 दिन तक मंदिर में दान करें।

(5) यदि किसी स्त्री की वजह से आपकी बदनामी हो रही है, तो कच्चे सूत को हल्दी से पीला करके पीपल के पेड़ में लपेटें।

(6) दादा की उम्र के साधु या फकीर की सेवा करें।

(7) राहु की वस्तुएं जैसे गेंहू, जौ, नारियल बहते पानी में बहायें।

(8) मंदिर में घी, आलू, कर्पूर आदि का दान करें।

(9) अपने घर से भिखारियों को खाली हाथ न जाने दें।

(10) बृहस्पतिवार का व्रत रखें।

(11) भगवान विष्णु की पूजा करें।

(12) अपने कुलपुरोहित की सेवा करें।

सातवें भाव में स्थित सूर्य का फल

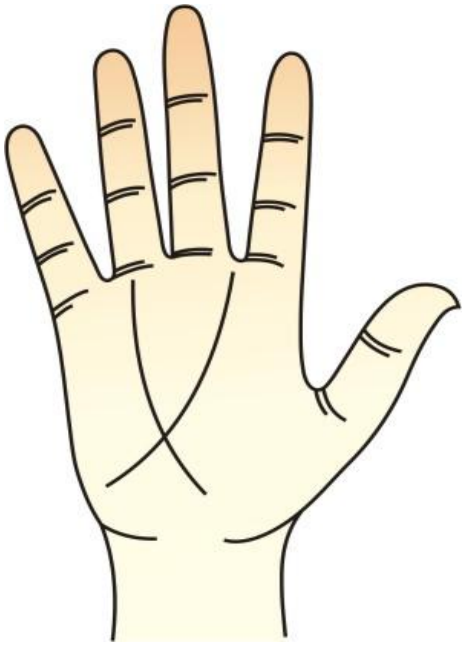

लाल किताब के अनुसार, सामान्यतः सातवें भाव में बैठा हुआ सूर्य शुभ फल प्रदान करता है। आपकी पारिवारिक स्थिति ठीक होगी और पुत्र के जन्म के बाद आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ हो जायेगी। आप मुसीबत में भी अपनी हिम्मत नहीं खोयेंगे और दान-पुण्य के कार्य में रूचि लेंगे। हालांकि, आपके ससुराल की स्थिति अधिक सुखी नहीं हो सकती है।

आपको बहुत अधिक गुस्सा नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके परिवार पर इसका अशुभ प्रभाव पड़ेगा। अधिक नमक खाना भी अहितकर होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी उम्र लम्बी होगी तथा आपका पारिवारिक जीवन भी सुखमय होगा। आपको अपने जीवनसाथी से झगड़ा नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके जीवनसाथी के सेहत पर इसका बुरा असर हो सकता है। आपको अपने घर का फर्श लाल रंग का नहीं रखना चाहिए। यदि आपके जीवनसाथी की सेहत ठीक नहीं है, तो दनके वजन के बराबर ज्वार किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी बड़े खानदान से होंगी और उनका स्वभाव भी उत्तम होगा।

सातवें भाव में स्थित सूर्य के उपाय और सावधानियाँ

(1) जमीन में ताँबे के चौकोर पत्तर गाड़ें।
(2) काली भुण्डी गाय की सेवा करें।
(3) कोई भी शुभ कार्य करने से पहले एक घूंट पानी पीयें।
(4) नमक का सेवन कम करें।
(5) खाना खाने से पहले अपने भोजन का एक छोटा हिस्सा आग में डालें।
(6) रात में अपने घर का चूल्हा दूध से बुझायें।
(7) रविवार का व्रत रखें।
(8) हरिवंश-पुराण का पाठ सुनें।
(9) अपना चरित्र ठीक रखें।
(10) चारपाई के पायों में ताँबे की कील गाड़ें।

नौवें भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

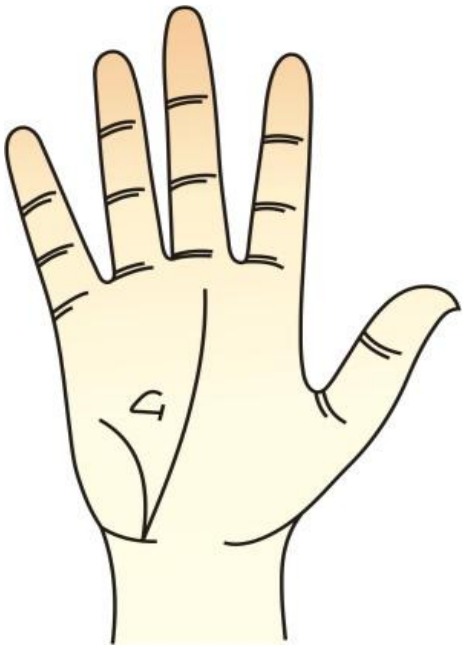

लाल किताब के अनुसार, नौवें भाव में स्थित चंद्रमा को जमीन जायदाद का कारक बताया गया है। आपको जमीन जायदाद का सुख प्राप्त होगा।

आप गणित विद्या में माहिर हो सकते हैं। आपको संतान का पूरा सुख प्राप्त होगा और तीर्थ यात्रा के बहुत सारे अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में राहु नौवें भाव में बैठा हुआ है या उसकी दृष्टि चंद्रमा पर पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में चंद्रमा का शुभ फल आधा हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में तीसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, आपको पुखराज धारण करना चाहिए।

नौवें भाव में स्थित चन्द्रमा के उपाय और सावधानियाँ

(1) अपनी आलमारी में चाँदी का एक चौकोर टुकड़ा रखें।
(2) गरीब मजदूरों को दूध पिलायें।
(3) मछलियों को चावल खिलायें और साँप को दूध पिलायें।
(4) तीर्थ यात्रा करें।
(5) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(6) चंद्रमा से संबंधित वस्तुएं जैसे- चाँदी, चावल, दूध आदि का कारोबार न करें।
(7) जूठा भोजन न करें।
(8) झूठ न बोलें।
(9) सोमवार का व्रत रखें।
(10) शिवजी की पूजा करें।
(11) एक बर्तन में दूध भरकर अपने सिरहाने रखें और सुबह उसे कीकर के पेड़ की जड़ में

डाल दें।

(12) घर की छत पर पानी न डलवायें।

सातवें भाव में स्थित शुक्र का फल

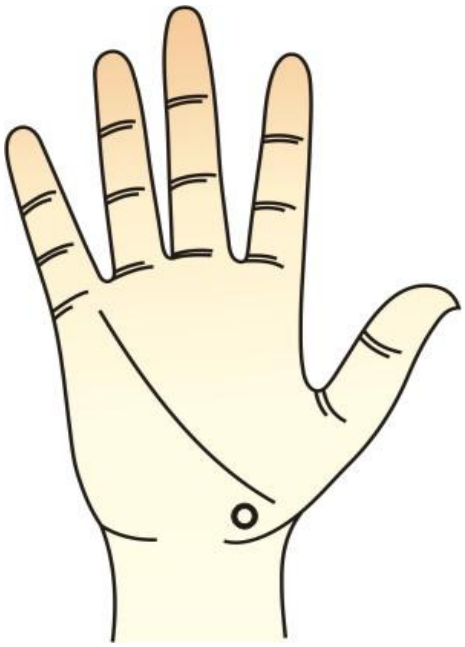

सातवें भाव में बैठा हुआ शुक्र बहुत ही शुभ होता है, परन्तु यदि साथ में दूसरा ग्रह बैठा हुआ है, तो शुक्र का स्वभाव उसी ग्रह के जैसा हो जाता है।

सातवें भाव में शुक्र स्थित होने से आपका जीवन अपने घर से दूर ही बीत सकता है।

आपकी पत्नी बहुत ही सुन्दर और सुघड़ स्वभाव वाली हो सकती हैं।

आपको अपने ससुराल के व्यक्तियों को व्यापार या किसी भी कारोबार में हिस्सेदार नहीं बनाना चाहिए, अन्यथा आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में बुध और शुक्र एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह ग्रह युति उत्तम फलदायक है। आप एक सफल व्यापारी हो सकते हैं और आपको आढ़त इत्यादि के कार्यों से विशेष लाभ हो सकता है। यदि इस युति का किसी भी प्रकार का बुरा प्रभाव आपकी कुण्डली पर पड़ रहा है, तो घर में कांसे का बर्तन रखना एक उत्तम उपाय है।

सातवें भाव में स्थित शुक्र के उपाय और सावधानियाँ

(1) लाल गाय की सेवा करें।

(2) यदि स्त्री बीमार है, तो उसके भार के बराबर ज्वार किसी धार्मिक स्थान में दान दें।

(3) अपने माता-पिता की सेवा

करें।

(4) गंदे नाले में नीला फूल बहायें।

(5) किसी धार्मिक स्थान में कांसे का बर्तन दान दें।

(6) विवाह के समय गाय का दान करें।

(7) कांसे का बर्तन दहेज में लें।

(8) घर आये अतिथियों की बढ़ियां खातिरदारी करें।

(9) हीरा पहनें।

(10) इत्र, सेंट इत्यादि का प्रयोग करें।

(11) अपना पहनावा ठीक-ठाक रखें।

छठवें भाव में स्थित मंगल का फल

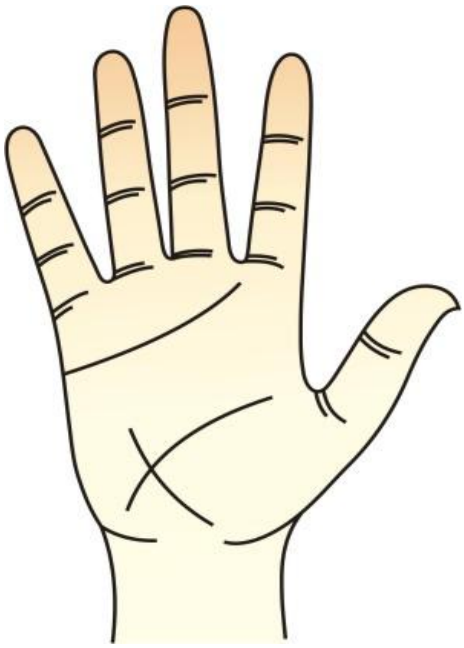

लाल किताब के अनुसार, आपकी कुण्डली में छठे भाव में मंगल होने के कारण आपका स्वभाव साधु-सन्यासियों की तरह का हो सकता है। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत हो सकती है। यदि आप लिखने-पढ़ने से संबंधित कोई नौकरी/कारोबार करते हैं, तो आपकी दिन दुनी-रात चौगुनी तरक्की हो सकती है। आप एक बड़े अधिकारी हो सकते हैं और आपके नीचे बहुत सारे लोग कार्य कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, इस ग्रह युति के कारण मंगल पूर्णरूप से शक्तिशाली हो जायेगा और आपको शुभ फल प्रदान करेगा।

छठवें भाव में स्थित मंगल के उपाय और सावधानियाँ

(1) 6 कुआंरी कन्याओं को दूध

पिलायें।

(2) चाँदी या चावल का दान करें।

(3) अपने बहनोई की सेवा करें।

(4) संतान के जन्म पर मीठा मत बांटें, उसकी बजाय नमकीन बांटें।

(5) अपनी संतान को सोना न पहनायें।

(6) गणेश जी की पूजा करें।

(7) महागायत्री का पाठ करें।

(8) हनुमान जी को सिन्दूर लगायें।

(9) खाने के बाद मेहमानों को मीठा खिलायें।

(10) भाई की सेवा करें।

सातवें भाव में स्थित बुध का फल

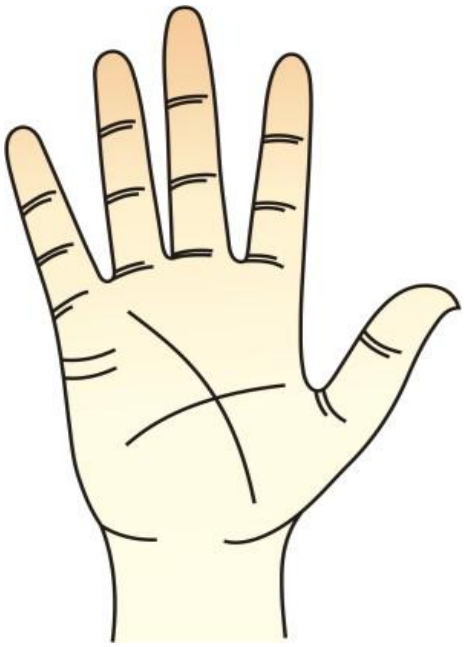

लाल किताब में सातवें भाव में स्थित बुध को ''दुनिया के लिए पारस'' कहा गया है। आप दूसरों की मदद करने में कभी भी पीछे नहीं रहेंगे। आप बहुत अधिक बुद्धिमान और कलम के धनी होंगे।

आपको हुनरमंदी (सीखी हुई कला) से फायदा होगा।

आप किसी झगड़े-फसाद या मुकदमेबाजी में नहीं फसेंगे।

सातवें भाव में स्थित बुध के उपाय और सावधानियाँ

(1) काले रंग की भुण्डी गाय की सेवा

करें।

(2) बेटी का कन्यादान करें।

(3) साझेदारी में कोई कारोबार न करें।

(4) झूठी आशायें न लगायें।

(5) साली से दूर रहें।

(6) अपने बेटी की हर कामना पूरी करें और उसे अपनी मां की तरह सम्मान दें।

(7) हीरा पहनें।

(8) ब्याज पर धन न दें।

(9) औरत का सम्मान करें।

(10) अगर मुंह से थुक आता है, तो उसका इलाज करायें।

(11) दुर्गा पाठ करवायें।

(12) घर में कोई बिजली का सामान खराब पड़ा हुआ है, तो उसको ठीक करवा कर रखें।

बारहवें भाव में स्थित शनि का फल

लाल किताब के अनुसार, बारहवें भाव में बैठा हुआ शनि आमदनी और सुख के लिए शुभ प्रभाव डालता है। यदि आपके सिर के बाल जल्दी झड़ जायें, तो आप धनवान और सुख से परिपूर्ण हो सकते हैं। आपको अपना बनता हुआ मकान बीच में नहीं रोकना चाहिए, इससे आपके और मकान बन सकते हैं।

आप व्यापार में बहुत सफल हो सकते हैं। आप पैसे के पीछे कभी नहीं भागेंगे।

लाल किताब के अनुसार, आपका परिवार बहुत बड़ा हो सकता है। आप हमेशा कोई बड़ा कार्य

करने के चक्कर में रह सकते हैं। आप अनेक लोगों का नेतृत्व भी कर सकते हैं।

आपकी कुण्ली में शनि के शत्रु ग्रह सूर्य, चंद्रमा या मंगल दूसरे भाव में स्थित नहीं है। लाल किताब के अनुसार, यह आपकी मानसिक और आर्थिक स्थिति के लिए काफी शुभ स्थिति होगी।

बारहवें भाव में स्थित शनि के उपाय और सावधानियाँ

(1) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(2) माँस-मदिरा का सेवन न करें।
(3) झूठ न बोलें।
(4) अपने मकान के दक्षिणी कोने पर काले कपड़े में 12 बादाम स्थापित करें।
(5) 12 शनिवार मछलियों को बादाम खिलायें।
(6) अपने मकान में एक अंधेरी कोठरी अवश्य रखें।
(7) जूठा भोजन न करें।
(8) शनिवार का व्रत रखें।
(9) तेल और शराब का दान करें।

पांचवें भाव में स्थित राहु का फल

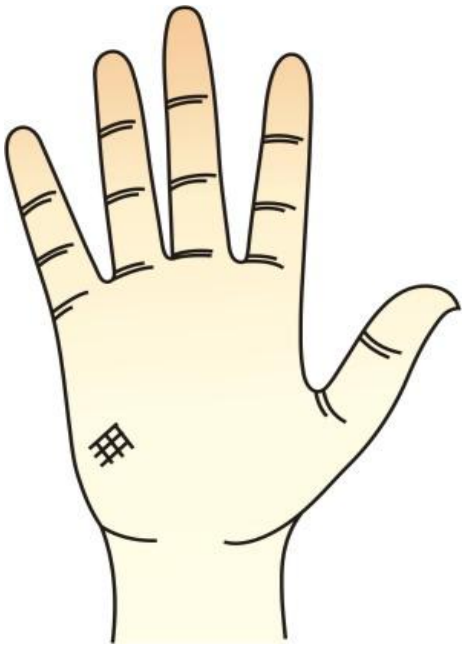

लाल किताब में पाँचवें भाव में स्थित राहु को ''शरारती'' कहा गया है। परन्तु यहां बैठा हुआ राहु सूर्य के फल में कोई अशुभता नहीं लाता है।

यदि आप अपनी संतान के जन्म पर खुशी मनायें, तो आपकी संतान पर इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि राहु की अशुभ स्थिति के कारण आपको संतान नहीं प्राप्त हो रही है, तो आपको अपने जीवनसाथी से दोबारा विवाह करना चाहिए। इसके अलावा, यदि आप अपने पुश्तैनी मकान में चाँदी का पत्तर दबायें या गाय इत्यादि पालें, तो भी लाभ हो सकता है।

कई बार पाँचवें भाव में स्थित राहु का असर पुत्रों पर ना पड़ कर पौत्रों पर पड़ता है।

पहले संतान के जन्म में विघ्न आ सकती है।

आपकी माता जब तक जीवित रहेंगी, तब तक राहु का असर ज्यादा अशुभ नहीं होगा।

आपकी उम्र के 21वें या 42वें वर्ष में आपके पिता को कष्ट हो सकता है।

पांचवें भाव में स्थित राहु के उपाय और सावधानियाँ

(1) चाँदी का हाथी घर में रखें।
(2) माँस-मदिरा से दूर रहें।
(3) अपनी पत्नी के सिरहाने पाँच मूली रात को रखकर प्रातः मंदिर में दान करें।
(4) संतान सुख के लिए पैतृक मकान के दहलीज के नीचे चाँदी का पत्तर दबायें।
(5) अपना चरित्र साफ-सुथरा रखें।
(6) दूसरी शादी ना करें।
(7) अपनी पत्नी से दोबारा शादी करें।
(8) दहेज में बिजली का सामान, नीले रंग के कपड़े और स्टील के बर्तन न लें।
(9) कन्यादान करना शुभदायक होगा।
(10) सरसों, तम्बाकू आदि दान करें।
(11) अपने परिवार से अलग न रहें।

ग्यारहवें भाव में स्थित केतु का फल

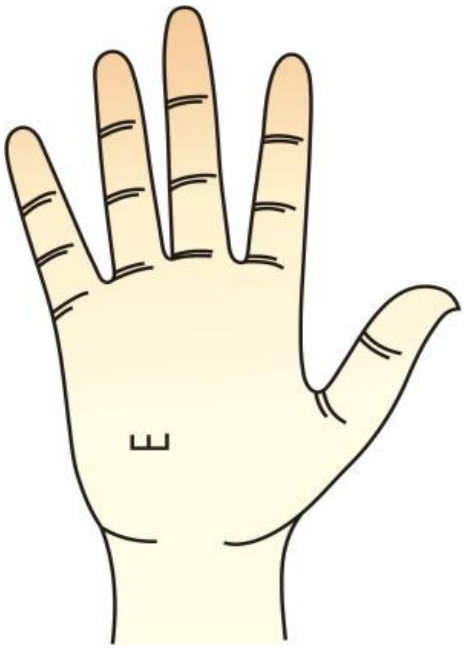

ग्यारहवें भाव में स्थित केतु के समय घर में कुत्ता पालना बहुत ही बढ़िया उपाय है। आपके पास पैतृक संपत्ति भले ही ज्यादा न हो, परन्तु आप अपनी मेहनत से संपत्ति बना ले सकते हैं।

आपकी कुण्डली में केतु ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप बहुत ज्यादा हिम्मती व्यक्ति नहीं हो सकते हैं। आप में आलस्य बहुत ज्यादा हो सकता है, परन्तु आपकी संतान बहुत ही मधुर स्वभाव वाली होगी।

यदि आपको मुर्दा संतान पैदा होती है, तो आपके जीवनसाथी को चाहिए कि रात में अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह मे किसी धर्मस्थान में दान करें। इस उपाय से अगले वर्ष ही आपको संतान की प्राप्ति हो सकती है।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे भाव में नहीं बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह एक राज योग की स्थिति है। आपको सरकार की तरफ से या बड़े लोगों की तरफ से सहयोग और सहायता प्राप्त हो सकती है।

ग्यारहवें भाव में स्थित केतु के उपाय और सावधानियाँ

(1) काला कुत्ता पालें।
(2) आपकी स्त्री को अपने सिरहाने रात को सोते समय मूली रखकर सोना चाहिए और सुबह उसे धर्मस्थान में दान करना चाहिए। यह उपाय लगातार 43 दिन तक करें।
(3) रसोई में काला–सफेद रोटी बनाने का चकला रखें।
(4) कपिला गाय का दान करें।
(5) गौसाला में चारा दें।
(6) कुत्तो को भोजन करायें।
(7) दो रंगा पत्थर

पहनें।

जीवन से संबंधित योग और उपाय

आइए गहन अंतर्दृष्टि की यात्रा पर निकलें क्योंकि हम आपको विस्तृत लाल किताब भविष्यवाणियां और उपाय प्रदान करते हैं, जो शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर वित्तीय स्थिरता और पारिवारिक मामलों तक आपके जीवन के पहलुओं को सावधानीपूर्वक कवर करते हैं। व्यवसाय, रोजगार, निवास और यहां तक कि अपने रोमांटिक रिश्तों में चुनौतियों से निपटने के लिए लाल किताब के सदियों पुराने ज्ञान का लाभ उठाएं। यहां, केवल आपके लिए तैयार किए गए आरोग्यता, सफलता और व्यक्तिगत संतुष्टि के लिए एक रोडमैप तैयार करें।

शिक्षा से संबंधित भविष्यफल और उपाय

याद आप परीक्षा में लाल रंग का पेन जिसका कैप सुनहरा हो, जिसमें किसी भी रंग की स्याही भरी हो, उसका इस्तेमाल करेंगे, तो परीक्षा में अवश्य उतीर्ण होंगे।

जेहि पर कृपा करहि जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहि बानी।
मोरि सुधारिहि सो सब भांती। जासु कृपा नहिं कृपा अघाती।

इस चौपाई का 108 बार प्रतिदिन प्रातः काल जप करें।

ऊँ माँनिसाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतोः समाः।
यत् क्रौञ्चमिथुना देकमवधीः काममोहितम्।

इस मंत्र का प्रतिदिन प्रातःकाल जागते ही बिना किसी से बोले तीन बार जप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

जनक सुता जग जननी जानकी।
अजिसय प्रिय करूनानिधान की।
ताके जुग पद कमल मनावउँ।
जासु कृपा निर्मल मति पावउँ।

श्री जानकी अथवा श्री सीता राम जी के चित्रपट का पूजन करके इस मंत्र का 108 बार प्रतिदिन जाप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

बुद्धिहीन तनु जानि के, सुमिरौ पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्यादेहु मोहिं हरहु कलेस विकार।।

श्री हनुमान जी की पूजा करके उपयुक्त दोहे का एक माला (108 बार) प्रतिदिन जाप करें। इससे बुद्धि एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।

गुरु गृह गये पढ़न

रघुराई।
अल्प काल विद्या सब आई।।

इस चौपाई का प्रतिदिन एक माला (108 बार) जाप करके विद्यालय जाने से निश्चय ही परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी।

लाल किताब के अनुसार, जो बच्चे पढ़ने में कमजोर हैं, उन्हें हरे रंग की तुरमली चाँदी की अंगुठी या नेकलेस में पहनने से लाभ हो सकता है।

बृहस्पतिवार को पीले कपड़े मे 7 हल्दी की गांठें और बेसन के लड्डू बांधकर नदी में प्रवाहित करने से परीक्षा में अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

'ऊँ नमः शिवाय' का जाप करके लाल धागे में दो पाँच मुखी रूद्राक्ष के बीच में एक छेद मुखी रूद्राक्ष को शिवलिंग से स्पर्श कराके धारण करें।

'ऊँ गंग गणपतेः नमः' नामक मंत्र को ग्यारह बार परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व जाप करें, परिणाम आपके पक्ष में होगा।

परीक्षा देने जाते समय किसी धार्मिक स्थान में आधा लीटर दूध दान करना उपयोगी साबित हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी संतान पढ़ने में कतरा रहा हो, या स्कूल ना जाने के लिए बहाने बनाती हो, या हठ करती हो, तो तांबे का एक चौकोर टुकड़ा सफेद धागे में बांधकर उसके गले में पहनायें।

'श्री कृष्ण प्रसंग' नामक मंत्र को पूष्य नक्षत्र या किसी शुभ दिन को लाल कलम से 17 बार सफेद पन्ने पर लिखकर परीक्षा के दौरान अपने जेब में रखें।

स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र या बुध और बृहस्पति अथवा राहु और बृहस्पति एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको खून की खराबी, दमा अथवा तपेदिक (टी.बी.) की शिकायत हो सकती है। आपको राहु का उपाय करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप मांस-मदिरा का सेवन अत्यधिक मात्रा में करते हैं, तो आपको आंखों से संबंधित रोग हो सकता है।

आपकी कुण्डली में केतु ग्यारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको पेट से संबंधित रोग हो सकते हैं। उपाय के तौर पर काला कुत्ता पालें।

आपकी कुण्डली में सूर्य, बुध और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके जुबान में तुतलापन आ सकता है। दवा के रूप में शराब का सेवन करें।यदि आपके घर में कोई ना कोई हमेशा रोग ग्रस्त रह रहा है, बीमारी जाने का नाम नहीं ले रहा है, तो आपके घर में जितनी रोटी बनती है, उसमें चार मीठी रोटी जोड़कर महीने में एक बार अमावस्या या संक्रांति के दिन काले कौए, काली गाय या कुत्ते को खिलाना चाहिए, अथवा महीने में एक बार अन्दर से खोखले कद्दू को किसी धार्मिक स्थल पर दान करना चाहिए, अथवा रात को रोगी के सिरहाने एक, दो या पाँच रूपये का सिक्का रखकर प्रातः काल सफाई कर्मचारी को दान करें, अथवा यदि आप श्मशान से गुजर रहे हैं, तो एक या दो रूपये के सिक्के वहां जरूर फेंके।

धन, ब्यापार और रोजगार से संबंधित योग और उपाय

आपकी कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको कपड़ों, साड़ियों या टेन्ट हाउस से संबंधित कारोबार एवं राहु और शनि से संबंधित वस्तुओं का व्यापार नहीं करना चाहिए। अपनी ससुराल के किसी भी व्यक्ति के साथ मिलकर व्यापार ना करें।

आपकी कुण्डली में, शुक्र और बुध सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए। आपको आढ़त के कार्य से लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, मंगल छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने भाई की सेवा करने से धन लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, बुध सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको हुनरमंदी के कार्यों जैसे- फर्नीचर इत्यादि से काफी लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में, शनि बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके लिए व्यापार करना अधिक फायदेमंद होगा।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और बुध एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, युवावस्था में आपको अपने चाल-चलन और व्यवहार पर ध्यान देना होगा, अन्यथा आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में, मंगल छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप होटल, या रेस्टोरेंट से संबंधित कार्य में लगे हुए हैं, तो लाभ की स्थिति में रहेंगे।

आपकी कुण्डली में, बुध सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, कपड़ों की रंगाई, छपाई अथवा कढ़ाई आदि के कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप बहुमूल्य

वस्तुओं का व्यापार, विवाह समारोहों में प्रयोग में होने वाली वस्तुओं के व्यापार, टेन्ट हाउस, कैंटीन आदि का कार्य करते हैं, तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में राहु पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप बिजली के उपकरणों, तारों इत्यादि से संबंधित कार्य करते हैं, तो लाभ की स्थिति में रहेंगे।

मकान से संबंधित महत्वपूर्ण योग, सावधानियाँ और उपाय

याद आपके मकान का मुख्य दरवाजा दक्षिण की तरफ है और मकान से बाहर निकलते समय सीधे हाथ पर रसोई और सामने स्नानघर या पानी का स्थान हो तो आपको कोई ना कोई कष्ट हो सकता है। धन हानि की भी संभावना है।

यदि आपके मकान पर किसी पेड़ की छाया पड़ रही है, तो यह मंगल के शुभ प्रभाव को नष्ट कर देता है।

यदि आपके मकान की दीवार के पास कटा और सूखा पीपल का पेड़ है, तो आपके परिवार और धन संपत्ति पर इसका बुरा असर पड़ेगा। मंगल का प्रभाव अशुभ हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपनी मकान की पिछली दीवार को तोड़कर रोशनी करें, तो शनि का बहुत ही अशुभ असर होगा। उपाय के तौर पर मकान के मुख्य दरवाजे पर काले कपड़े में साबुत मूंग बांधकर रखें।

यदि आपका मकान बंद गली के अन्तिम सिरे पर स्थित है, और उसमें हवा सीधे आती है, तो आपके संतान पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। ऐसे मकान में कभी ना रहें।

यदि आपके मकान पर किसी धार्मिक स्थल आदि की छाया पड़ रही है, तो घर में बीमारियां परेशान करती रहेंगी।

रसोई घर में खाना बनाने का चुल्हा और बर्तन धोने का स्थान एक ही प्लेटफार्म पर नहीं होना चाहिए, अन्यथा घर में कलह होती रहेगी। उपाय के तौर पर इन दोनों स्थानों के मध्य पंचमुखी हनुमान का चित्र लगायें।

घर के अन्दर यदि लोहे की चारपाई हो, तो पूर्व–दक्षिण दिशा में बिछायें।

घर के मालिक को दक्षिण–पश्चिम के कोने में सोना चाहिए।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, स्त्रियों के लिए हानिकारक होगा। ऐसे मकान में केवल विधुर पुरूष ही सुखपूर्वक रह सकते हैं। यदि आप मुख्य द्वार पर तांबे की कील गाड़े, तो स्थिति सुखद हो सकती है। चाँदी की चौड़ी पत्ती दरवाजा के एक कोने से दूसरे कोने तक बिछा सकते हैं। घर पर मिट्टी का बंदर रखें, जिसका मुहं दक्षिण दिशा

की ओर हो। बकरी का दान करें। दिन के दो बजे के बाद साबूत मूंग की दाल किसी धार्मिक स्थल पर दान करें।

यदि आपके मकान में कोई मिट्टी वाला स्थान नहीं है, तो यह परिवार की स्त्रियों के लिए हानिकारक हो सकता है और धन सम्पत्ति पर भी बुरा असर हो सकता है। निम्न उपाय करने से स्थिति सुखद हो सकती है। मिट्टी की बनी हुई औरत की मूर्ति घर में रखें। सफेद रूमाल में कपूर की टिकिया, देशी घी और रूई बांधकर रखें। घर में छोटे-मोटे कार्य करने के लिए नौकरानी रखें।

यदि आपके मकान में धन रखने के लिए तिजोरी, आला या तहखाना बना हुआ है, तो उसे बिल्कुल खाली ना रखें। बादाम अथवा छुआरे रख सकते हैं।

यदि आपके मकान में कोई अंधेरी कोठरी है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान ना खोलें।

यदि आपको अपने घर की छत बदलनी है, तो पहले एक अस्थाई छत पुरानी छत के ऊपर बनायें।

लाल किताब के अनुसार, घर के मुख्य द्वार से बाहर निकलते समय सीधे हाथ की तरफ पानी का स्थान और उलटे हाथ की तरफ या पीठ की तरफ रसोई होना उत्तम होता है।

यदि आपके मकान पर पीपल इत्यादि की छाया पड़ रही है, तो यह आपके तरक्की के लिए नुकसानदायक हैं। आपको उस पीपल की जड़ में जल चढ़ाना चाहिए।

यदि आपके मकान के आस-पास कुआं है, तो उसमें भूलकर भी कुड़ा-करकट ना डालें। प्रतिदिन उसमें दूध डालने से आपकी उन्नति होगी।

घर के अन्दर किकर का पेड़ ना लगायें।

मकान या प्लाट का मुख्य द्वार उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आपकी चंद्र राशि- कर्क, वृश्चिक या मीन है। लाल किताब के अनुसार, आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में होना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, सफेद रंग या पेन्ट का प्रयोग मकान में सभी जगह किया जा सकता है। नीले रंग या पेन्ट का प्रयोग शयन कक्ष या कान्फ्रेंस हाल में करें।

हरे या क्रीम रंग का प्रयोग अध्ययन कक्ष में करें।

गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग भोजनालय में करें। पुलिस या मिलिट्री के स्थान पर लाल रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है, तो उसमें सफेद रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो उसमें लाल, गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में है, तो उसमें हरे या पीले रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में है, तो उसमें नीले या हल्के रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण–पूर्व दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण–पश्चिम दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर–पश्चिम दिशा में है, तो आपको अपने मकान में सफेद रंग का प्रयोग करना चाहिए।

आपको अपने मकान का मुख्य द्वार मकान के कम चौड़ाई वाले हिस्से में रखना चाहिए। यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दो पल्लों का है, तो यह आपको अधिक लाभकारी होगा। यदि मुख्य द्वार अन्दर की तरफ खुलता है, तो यह अधिक लाभकारी होगा।

आपको अपने मकान के उत्तर और पूर्व दिशा में दक्षिण और पश्चिम दिशा से अधिक खुला स्थान रखना चाहिए।

आपको अपने मकान की दक्षिण और पश्चिम की दीवार ज्यादा मोटी और ज्यादा ऊँची रखनी चाहिए।

मकान की छत की ढलान उत्तर, पूर्व या उत्तर–पूर्व में होनी चाहिए।

अपने घर के प्रत्येक कमरे का उत्तर–पूर्व वाला कोना खाली रखें।

मकान में बरामदा और खुली छत उत्तर और पूर्व में होनी चाहिए।

मकान में बालकनी उत्तर और पूर्व में होना चाहिए। बेसमेन्ट उत्तर–पूर्वी भाग में होनी चाहिए।

यदि मकान में पत्थर की मूर्ति लगा रहे हैं, तो उसे दक्षिण–पश्चिम दिशा में लगायें।

मकान के दक्षिण–पश्चिम वाले हिस्से में सम संख्या में वृक्ष लगायें।

मकान में तुलसी जी का पौधा पूर्व, उत्तर या उत्तर–पूर्व में लगायें।

मकान में खिड़कियों की संख्या उत्तर और पूर्व दिशा में अधिक होनी चाहिए। दरवाजे और खिडकियों की संख्या सम होनी चाहिए, परन्तु संख्या का अन्त 10, 20 इत्यादि से नहीं होना चाहिए।

मकान में सीढ़ियां दक्षिण, पश्चिम या ईशान कोण को छोड़कर कहीं भी बनाई जा सकती हैं। सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए। सीढ़ियों का घुमाव दक्षिणावर्ती होना चाहिए।

यदि आप अपने मकान में पानी का हौज बनवा रहे हैं, तो उसे उत्तर–पूर्व में बनवायें, यह काफी लाभदायक होगा।

यदि आप छत पर पानी की टंकी रखवा रहे हैं, तो उसे उत्तर–पश्चिम दिशा में रखवायें। टंकी का रंग काला अथवा नीला हो तो बढ़िया रहेगा।

मकान में पूजा का स्थान ईशान, पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। भगवान की मूर्ति का मुख उत्तर या पूर्व की ओर रखें। पूजा घर का आकार पिरामिड जैसा रखें। पूजा घर के फर्श का रंग सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। पूजा घर के दीवारों का रंग क्रीम, सफेद या हल्का नीला रखें।

मकान में रसोई घर दक्षिण–पूर्व दिशा में होना चाहिए। खाना बनाते समय अपना मुख पूर्व की ओर रखें। रसोई घर की खिड़कियां पूर्व और दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

मकान में भोजनकक्ष पश्चिम दिशा में रखें। खाने की मेज आयताकार या वर्गाकार होनी चाहिए।

मकान में स्नानागार पूर्व, उत्तर या उत्तर–पश्चिम भाग में रखें।

मकान का शौचालय दक्षिण दिशा में होना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, शनि बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपका मकान बिना झंझट के बनेगा।

विवाह, स्त्री और गृहस्थ–सुख से संबंधित योग और उपाय

आपकी कुण्डली में, सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको 22 से 25 वर्ष के बीच में विवाह नहीं करना चाहिए, अन्यथा बुरे परिणाम हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और बुध सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्त्री धनी परिवार से होंगी।

आपकी कुण्डली में, सूर्य, शुक्र एवं बुध एक साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, स्त्री के गर्भावस्था के दौरान आपको उनके साथ मधुर व्यवहार करना चाहिए, उनसे लड़ाई–झगड़ा आपके

लिए अहितकर होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको जीवनसाथी का सुख कम ही प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अन्य स्त्रियों से संबंध बनायें तो आपको भारी नुकसान हो सकता है। (धन और स्वास्थ्य दोनों के लिए)

आपकी कुण्डली में बुध सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप परायी स्त्रियों से संबंध रखेंगे, तो पूरी तरह से बर्बाद हो जायेंगे और आपके संतान पर भी इसका बुरा प्रभाव होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य-शुक्र, बृहस्पति-शुक्र, मंगल-चंद्रमा या मंगल-शुक्र की युति दूसरे भाव में है। लाल किताब के अनुसार, किसी स्त्री के कारण आपका धन नष्ट हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शनि बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, किसी स्त्री के कारण आपका धन नष्ट हो सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र या राहु और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, शीघ्र विवाह हेतु सात सोमवार लगातार धूपदीप जलाकर वटवृक्ष की पूजा करें।

आपकी कुण्डली में शुक्र अपने शत्रु ग्रहों के साथ बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, शीघ्र विवाह हेतु 43 दिन तक लगातार दही मिला आलू किसी काली गाय को खिलायें।शीघ्र विवाह हेतु- मंगल-पार्वती स्त्रोत का पाठ प्रतिदिन करें।

शीघ्र विवाह हेतु- स्नान के पश्चात कांसे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर मुहुर्त देखकर छाया पात्र निकालें।

शीघ्र विवाह हेतु- पीले वस्त्र में चने की दाल बांधकर बृहस्पतिवार के दिन किसी मंदिर में दान करें।

यदि विवाह में अत्यधिक विलम्ब हो रहा है, तो वाल्मिकी रामायण के बाल-काण्ड के सर्ग 73 का 43 दिन तक लगातार पाठ करें।

शीघ्र विवाह हेतु दुर्गा सप्तशती के श्लोकों का पाठ 43 दिन तक लगातार करें।

शीघ्र विवाह हेतु सात सोमवार शिवलिंग पर दूध चढ़ायें।

संतान सुख से संबंधित महत्वपूर्ण योग और उपाय

आपकी कुण्डली में, सूर्य और बुध एक साथ सातवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार,

आपकी संतान को कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदि आपको संतान की प्राप्ति में विलम्ब हो रहा है, तो अपनी पत्नी के बाजू में सोने का कड़ा पहनायें अथवा बछड़े वाली गाय का दान करें।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और बुध सातवें भाव में एवं शुक्र अशुभ है। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान प्राप्ति में बाधा आ सकती है। उपाय के तौर पर आपको अपनी स्त्री को बिना जोड़ की सोने की चूड़ी पहनाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में, राहु पाँचवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी पत्नी से पुनर्विवाह करना चाहिए, जिससे संतान प्राप्ति में समस्या नहीं आयेगी।

आपकी कुण्डली में, मंगल छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके माता–पिता ने आपके लिए बहुत सारी मन्नते मांगी होंगी, तब आपका जन्म हुआ होगा।

आपकी कुण्डली में, सूर्य सातवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी संतान को मानसिक रोग हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र और बुध एक दूसरे के पक्के भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान का सुख अवश्य ही प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में, मंगल, शुक्र या बुध पक्के भावों में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान प्राप्ति में कोई भी बाधा नहीं आ सकती है और संतान भी समय पर होगी।

यदि आप बंद गली के मकान में रहते हैं तो आपको संतान संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और नर संतान की प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। उपाय के तौर पर आपको बृहस्पतिवार से लगातार 43 दिन तक प्रतिदिन केसर का तिलक लगाना चाहिए।

यदि आप संतान संबंधी समस्या से ग्रस्त हैं, तो आपको अपने घर में हरिवंश पुराण या महाभारत का पाठ करना चाहिए।

यदि आप कुत्ते के नर संतान को अपने घर में रखते हैं, तो आपको संतान अवश्य होगी।

संतान की प्राप्ति के लिए गणेश जी की पूजा करना लाभदायक होता है।

यदि आपको संतान संबंधी कोई समस्या है, तो काले कुत्ते की सेवा करना या उसे अपने घर पर

रखकर खाना खिलाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

यदि किसी स्त्री को संतान हो, परन्तु जीवित ना रहे, तो लाल किताब में ऐसी स्थिति से बचाव के लिए बहुत ही साधारण और सफल उपाय बताया गया है– स्त्री के गर्भवती होने पर उसके बाजु पर लाल धागा बांध दें और संतान होने के पश्चात उस धागे को नवजात शिशु के बाजु पर बांध दें और स्त्री को नया लाल धागा पुनः बांधें। स्त्री के बाजु पर 18 महीने तक बंधा रहना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी स्त्री का बार–बार गर्भपात होता है, तो काला धागा उसकी कमर में बांधें और संतान के जन्म के बाद यह धागा संतान के बाजु पर बांधें।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की संतान जीवित नहीं रहती है, तो संतान के जन्मदिन पर मिठाई की जगह नमकीन खाद्य पदार्थ वितरण करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, प्रसव के समय स्त्री को शारीरिक कष्ट से बचाने और नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए प्रसव पीड़ा के समय दो पीतल के बर्तन लेकर एक में मीठी वस्तु और दूसरे में दूध भर के स्त्री के हाथ से स्पर्श करवाकर रखना चाहिए, और शिशु के जन्म के बाद से किसी धार्मिक स्थान में दान करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की नर संतान जीवित न रहती हो, तो उन्हें किसी धार्मिक स्थान में शिशु को जन्म देना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि संतान को कष्ट हो, तो गाय, कौए अथवा कुत्तों को अपने भोजन का एक हिस्सा दें।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में एक छत को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

लाल किताब के अनुसार, आपके घर में कुएं को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

लाल किताब वर्षफल (51)

(18:01:2025 To 17:01:2026)

Name - Sample

Date - 18/01/1975 Time - 17:30:00

POB - Ballia (Uttar Pradesh) INDIA

Longitude - 084:10:00 E

Latitude - 025:45:00 N

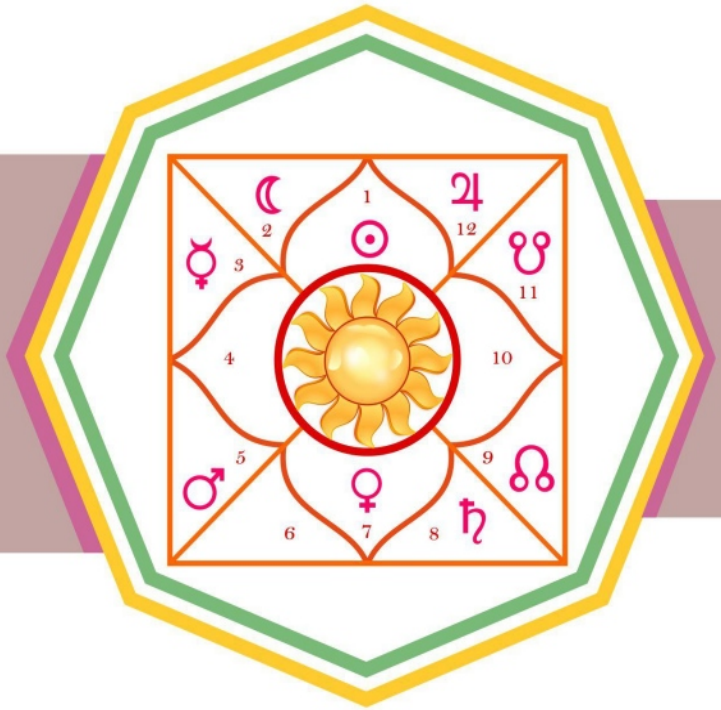

Himalaya Vedic World

Phone +91-7465839601

लाल किताब में ग्रह

Varshphala - 51 (18:01:2025 To 17:01:2026)

सूर्य	भाव न. 12, मित्र के घर में, शुभ भाव में
चन्द्रमा	भाव न. 7, कायम, शुभ भाव में
मंगल	भाव न. 3, पक्के घर का, शत्रु के घर में, शुभ भाव में
बुध	भाव न. 12, स्वभाव (मंगल), राशिफल, नीचस्थ, अशुभ भाव में, साथी (गुरू)
गुरू	भाव न. 6, राशिफल, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में, साथी (चन्द्रमा,बुध,केतु)
शुक्र	भाव न. 12, उच्चस्थ, शुभ भाव में
शनि	भाव न. 11, नेक स्वभाव, ग्रहफल, अपने घर का, धर्मी, शुभ भाव में, साथी (बुध,शुक्र)
राहु	भाव न. 8, शत्रु के घर में, अशुभ भाव में
	भाव न. 5, अशुभ भाव में, साथी (गुरू)

लाल किताब वर्षफल

Varshphala - 51 (18:01:2025 To 17:01:2026)

लाल किताब टेवा

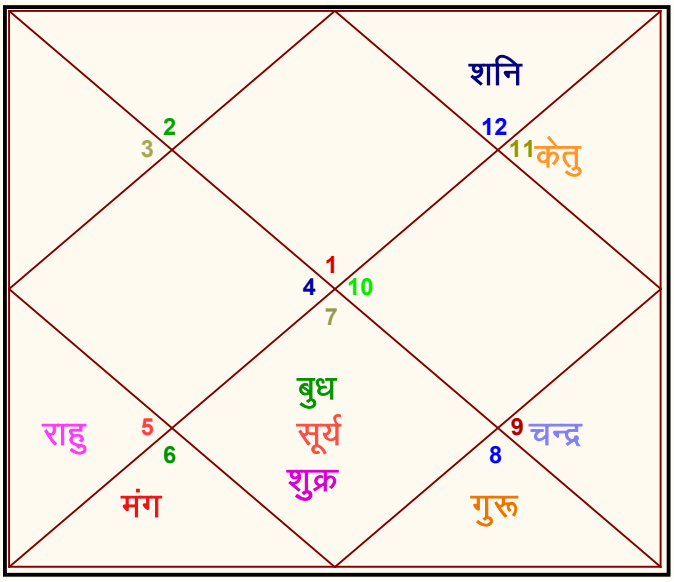

वर्षफल कुण्डली (51)

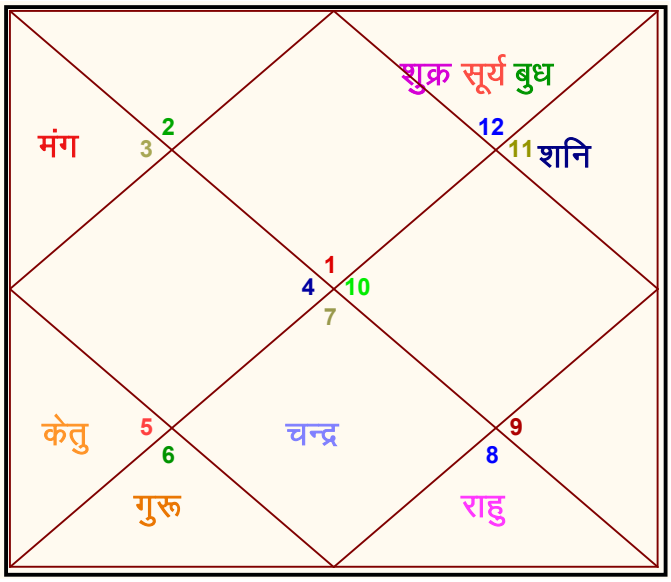

ग्रह योग

सूर्य + बुध	(युति), मंगल (नेक), औलाद जिंदा रखने का मालिक
सूर्य + गुरू	(दृष्टि–25), चन्द्रमा, वाल्दैनी खुन (वीर्य)
सूर्य + शुक्र	(युति), गुरू, संतान की पैदाईश
मंगल + शनि	(दृष्टि–50), राहु (उच्च), झगड़े/फसाद
बुध + शुक्र	(युति), सूर्य, स्वास्थ्य/सेहत
गुरू + शुक्र	(दृष्टि–25), शनि (केतु), सेहत/बीमारी

ग्रह दृष्टि (लाल किताब)

ग्रह	मुख्य	मददगार	टकराव	बुनियाद	दुश्मन	साझी दिवार	अचानक चोट
सूर्य			चन्द्र	राहु			
चन्द्रमा		शनि		मंग.		राहु	केतु
मंगल	शनि(50)	चन्द्र		शनि	सूर्य, बुध, शुक्र		केतु
बुध	गुरू(100)		चन्द्र	राहु			
गुरू	सूर्य(25), बुध(25), शुक्र(25)				मंग.	चन्द्र	राहु
शुक्र			चन्द्र	राहु			
शनि		मंग.	गुरू	चन्द्र	राहु	सूर्य, बुध, शुक्र	
राहु		सूर्य, बुध, शुक्र	मंग.		केतु		गुरू

बरहवें भाव में स्थित सूर्य का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके शत्रुओं की शक्ति क्षीण हो जाएगी एवं आय के कम से कम दो नए स्रोत आपको प्राप्त होंगे। अपने अधिकारियों और मित्रों का आपको सहयोग प्राप्त होगा। विदेशी संबंधों से लाभ होगा। अस्पताल या जल संबंधी कार्यों में आपको प्रचूर मात्रा में धन प्राप्त होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी।

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) किसी से भी बिजली के सामान मुफ्त में ना लें।
(2) मांस–मदिरा का सेवन ना करें।
(3) अपने शत्रुओं को भी माफ करें।
(4) भूरी चीटियों को तीनचौली डालें।

सातवें भाव में स्थित चन्द्रमा का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम है। आपको इस वर्ष ससुराल से लाभ हो सकता है। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आप सामाजिक कार्यों में रूचि लेंगे। आयात–निर्यात से संबंधित व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) दूध ना जलायें।
(2) ससुराल से चांदी लें।
(3) दूध का व्यापार ना करें।
(4) अपना चाल–चलन ठीक रखें।

तीसरे भाव में स्थित मंगल का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके मान–प्रतिष्ठा में निश्चय ही वृद्धि होगी। आपको व्यापार में आशा से अधिक लाभ होगा। आप अपने शत्रुओं को भी माफ करेंगे। धार्मिक और जनकल्याण के कार्यों में आप इस वर्ष बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इस वर्ष आपकी व्यायाम इत्यादि में भी रूचि रहेगी। आप मार्शल आर्ट्र सिखने की कोशिश कर सकते हैं। यदि आप अपना व्यवहार नम्र रखें तो आपको फायदा होगा।

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) अपनी अंगुली में हाथी दांत का छल्ला पहनें।
(2) अपने क्रोध पर काबू रखें।
(3) अपने भाईयों की सहायता करें।
(4) खाने–पीने पर विशेष ध्यान दें, अन्यथा पेट से सम्बन्धित बीमारी हो सकती है।
(5) हाथी दांत से बनी वस्तुएं अपने घर में ना रखें।

बरहवें भाव में स्थित बुध का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए, अन्यथा बनी हुई बात बिगड़ सकती है। आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे व्यसनों से भी दूर रहने की आवश्यकता होगी। आपकी संदेह और अनभिज्ञता से व्यापार में घाटा उठाना पड़ सकता है। अपने मित्रों से आपका अचानक बिगाड़ हो सकता है।

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) केसर का तिलक लगायें।
(2) मिट्टी का घड़ा बहते हुए पानी में बहायें।
(3) गुस्सा ना करें और अशुद्ध भाषा का प्रयोग ना करें।
(4) बायें हाथ की बीच वाली अंगुली में स्टील का बिना जोड़ का छल्ला पहनें।

छठे भाव में स्थित गुरू का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में गुरू अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने पिता या दादा से आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं अथवा इनका स्वास्थ्य आपको चिन्ताग्रस्त कर सकता है। इस वर्ष आपको कोई भी लोन, दान या मुफ्त में दिया गया कोई भी सामान नहीं लेना चाहिए। इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते हैं। इस वर्ष आपका मामा या चाचा या ताउ से झगड़ा होने की संभावना है।

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) चने की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।
(2) इस वर्ष अपने कुल–पुरोहित या किसी भी मंदिर के पुजारी को वस्त्र दान करें।
(3) मुर्गियों को अनाज डालें।
(4) दान या मुफ्त की कोई भी वस्तु ना लें।

बरहवें भाव में स्थित शुक्र का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको व्यावसायिक अथवा सरकारी कार्यों में काफी सफलता मिलेगी। शारीरिक और मानसिक सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी और संतान के सेवा भाव से मन प्रसन्न रहेगा। इस वर्ष आपको चित्रकारी और संगीत में विशेष रूचि रहेगी। किसी स्त्री के सहयोग से आपको विदेश जाने का सुअवसर भी प्राप्त हो सकता है। आप अपने परिवार की देखभाल करेंगे तथा घर में आमोद–प्रमोद की वस्तुओं की बढ़ोत्तरी होगी।

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) नीले रंग का फूल अपनी पत्नी के हाथों जमीन में दबवायें।
(2) अपना चाल–चलन ठीक रखें।
(3) अपनी पत्नी की देखभाल करें।
(4) घी के दिये जलायें।
(5) बछडे सहित गाय का दान करें।

ग्यारहवें भाव में स्थित शनि का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर में कोई मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकता है। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी। लोहा, कोयला और रबड़ इत्यादि से आपको अधिक लाभ प्राप्त होगा। यदि आप धार्मिक कार्यों में रूचि लेंगे, तो यह वर्ष और भी लाभदायक सिद्ध होगा। मादक पदार्थों के सेवन से आपको बचना चाहिए।

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) कोई भी शुभ कार्य करने से पहले घर में जल से भरा मिट्टी का घड़ा स्थापित करें।
(2) सूर्योदय के समय मिट्टी पर शराब या सरसों का तेल गिरायें।
(3) शराब और मांस का सेवन ना करें।
(4) घर में शुद्ध चांदी की ईंट रखें।
(5) दूसरों को धोखा देकर धन न कमायें।

आठवें भाव में स्थित राहु का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी। चोरी आदि की घटनाओं से धन हानि हो सकती है। ऋण की अधिकता से आपका मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है। गलत लोगों की संगति आपके लिए घातक हो सकती है। आपके जन्मदिन से आठवें महीने में आपके लिए परेशानियां और भी बढ़ सकती हैं। बिजल संबंधी कार्य आपको घाटे में डाल सकते हैं।

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
(2) दक्षिणमुखी मकान में न रहें।
(3) लकड़ी का कोयला अपने मकान में न रहने दें।
(4) 43–43 बादाम किसी धार्मिक स्थान में अपने जन्मदिन से आठवें महीने के शुरू होते ही चढ़ायें और उसमें से 43 बादाम घर लाकर सफेद बटुए में रखें।

पाँचवें भाव में स्थित केतु का विश्लेषण

वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको गलत लोगों की संगति से बचना चाहिए, अन्यथा आप पर बुरा असर होगा। आपको इस वर्ष सांस की बीमारियों से परेशानी हो सकती है। अपने पिता या गुरुजनों से झगड़ा हो सकता है। व्यर्थ की कुछ यात्राएं संभव हैं।

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

उपाय

(1) गलत लोगों की संगत ना करें।
(2) अपने घर में बक्सों या आलमारियों में हमेशा ताला लगाकर ना रखें। समय–समय पर ताला खोलते रहें।
(3) चावल, दूध या लाल मसूर की दाल दान करें।
(4) अपने भोजन का एक हिस्सा कुत्तों को खिलायें।
(5) सूर्य को मीठा डालकर अर्घ्य दें।

वर्षफल में महत्वपूर्ण योग

आपके कुण्डली बुध तीसरे, आठवें, नवें, ग्यारहवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनसुसार, बृहस्पति का फल अशुभ हो जायेगा, और सरकारी कार्यों में असफलता प्राप्त होगी।

आठवें भाव का राहु आपकी वर्षफल कुण्डली में भी आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको बहुत अधिक धन हानि हो सकती है। बीमारी और दुर्घटनाओं से भी सावधान रहें, दो सुखे नारियल बुधवार के दिन जल में प्रवाहित करें।

आपके वर्षफल कुण्डली में केतु पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सासों से संबंधित बिमारियां हो सकती हैं।

आपके वर्षफल कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नवें, या बारहवें भाव में और राहु पहले, पांचवें, सातवें, आठवें या ग्यारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होगी। झगड़े-फसाद की वजह से मुकदमेबाजी भी हो सकती है। उपाय के तौर पर श्मसान का पानी सफेद कांच की बोतल में भरकर अपने घर में रखें।

आपके वर्षफल कुण्डली में शनि ग्यारहवें भाव में स्थित है। इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ रहेगी।